

Daily सच के हक में. E PHONNE

Priyanka Chopra Drops a Happy...

घूरन राम की जीत हुई थी। इस

Ranchi ● Monday, 13 May 2024 ● Year : 02 ● Issue : 114 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com

झारखंड में सिंहमूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू में होगा मतदान

रही है। कोरोना काल में हुए

काम, राम मंदिर का निर्माण,

युवाओं को कुशल बनाकर

रोजगार के अवसर मुहैया

कराना, एकलव्य विद्यालयों की

स्थापना का जिक्र हो रहा है।

साथ ही पीएम मोदी के कार्यकाल

में देश स्तर पर हुए कार्यों का

लोहरदगा सीट पर वर्तमान में

बीजेपी का कब्जा है। इस बार

झाममो के बागी विधायक चमरा

लिंडा ने चुनाव को त्रिकोणीय

बना दिया है। वैसे सीधे तौर पर

देखें तो मुकाबला कांग्रेस के

सुखदेव भगत और बीजेपी के

समीर उरांव के बीच है। यहां 59

प्रतिशत आदिवासी हैं, इनमें

सबसे ज्यादा उरांव समाज के

लोग हैं। दोनों प्रत्याशी उरांव

लोहरदगा लोकसभा सीट:

बखान किया जा रहा है।

दफोटोन न्यूज Published from Ranchi

: 72,664.47 : 22,055.20

6,885

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

खडगे झारखंड में दो जनसभाओं को आज करेंगे संबोधित

RANCHI: अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सोमवार सुबह 9:30 बजे झारखंड पहुंचेंगे। वे यहां दो चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। पहली जनसभा हजारीबाग के बरही में 10 बजे कांग्रेस प्रत्याशी जेपी पटेल के पक्ष में होगी जबकि दुसरी जनसभा चतरा लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी के पक्ष में लातेहार के कंदरी मैदान में 12 बजे होगी। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने रविवार को कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर भी चुनावी सभाओं को संबोधित

नवसारी : दांडी के समुद्र में 7 लोग बहे, 3 को बचाया गया, 4 लापता

NAVSARI: नवसारी के दांडी में रविवार को समुद्र में नहाने के दौरान 7 लोग डूबने लगे। पुलिस और होमगार्ड जवानों ने 3 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, वहीं 4 लोग लापता हैं, जिनकी खोजबीन की जा रही है। समुद्र में बहे लोग खडसूपा के निवासी बताए गए हैं, जो तीन परिवार के सदस्य हैं। रविवार की छुट्टी मनाने नवसारी समेत अन्य जिलों के बड़ी संख्या में लोग दांडी में समुद्र किनारे पहुंचे। लोग समुद्र में नहाने का लुत्फ उठा रहे थे। इसी बीच समुद्र की तेज लहरों में तीन अलग-अलग परिवार के 7 लोग बहने लगे। समद्र किनारे मौजद लोगों ने उन्हें डबता देखा तो शोर मचाने लगे।

आदिवासी महिला ने छेडखानी पर शोर मचाया तो पकड़कर खींच ली जुबान

JAMTARA : करमाटांड़ के बारादाहा गांव में रविवार को दो युवकों ने पास के तालाब में नहा रही आदिवासी महिला को अकेला पाकर छेड़खानी शुरू कर दी। इस दौरान महिला ने जब शोर मचाने की कोशिश की तो दोनों युवकों ने उसे जमीन पर पटक दिया और उसके मुंह में हाथ डालकर उसकी जुबान पकड़क जोर से खीच दी। जिससे वह अब कुछ भी बोल पाने में असमर्थ है। दोनों ही युवक पास के गांव के हैं और मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। घटना के बाद से आदिवासी समुदाय में भारी आक्रोश है। किसी तरह से जान बचाकर अपने घर पहुंची पीड़िता ने अपने सास-ससुर को मामले की जानकारी लिखकर और इशारों में दी।



E-Paper : epaper.thephotonnews.com

10 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की 96 सीटों पर वोटिंग आज

<mark>लोकसभा चुनाव का चौथा चरण</mark> : १७१७ प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला ईवीएम में हो जाएगा बंद

AGENCY NEW DELHI:

लोकसभा चनाव-2024 के चौथे चरण में उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश समेत 10 राज्यों की 96 सीटों पर सोमवार यानी 13 मई को मतदान होगा। इस दिन मतदाता 5 केंद्रीय मंत्री, एक पर्व मख्यमंत्री, दो क्रिकेटर और एक अभिनेता समेत 1717 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला करेंगे, जिसका परिणाम 4 जून को आएगा।।

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में आंध्र प्रदेश की 25 सीटों, बिहार की 40 में से पांच सीटों, झारखंड की 14 में से चार सीटों, मध्य प्रदेश की 29 में से आठ सीटों, महाराष्ट्र की 48 में से 11 सीटों के लिए मतदान होगा. इसके अलावा ओडिशा की 21 में से चार सीटों, तेलंगाना की 17 की 17 सीटों, उत्तर प्रदेश की 80 में से 13 सीटों, पश्चिम

बंगाल की 42 में से आठ सीटों, जम्मू-कश्मीर की पांच में से एक सीट के लिए वोट डाले जाएंगे।

2019 में इन सीटों पर

भाजपा को सबसे ज्यादा 42, कांग्रेस ने 6 और वाईएसआर कांग्रेस ने 22. बीआरएस ने 9 सीटें जीती थीं वहीं अन्य को 17 सीटें मिली थीं। इस चरण में देश के दो सबसे अमीर प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतरे हैं। चुनाव आयोग के मताबिक इलेक्शन के चौथे चरण में कुल 1,717 कैंडिडेटस चनावी मैदान में हैं. जिनमें एडीआर ने 1710 उम्मीदवारों के हलफनामे का विश्लेषण किया है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक (एडीआर) मुताबिक, इस चरण के चुनाव में 1,710 उम्मीदवारों में से 21% यानी 360 उम्मीदवार पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं वहीं 476

झारखंड की 14 लोकसभा सीटों में से चार सीटों यानी चाईबासा (सिंहभूम), खुंटी, लोहरदगा और पलामू के लिए 13 मई को ही मतदान हो रहा है। इन चार सीटों में से एक मात्र पलामू सीट एससी के लिए रिजर्व है, जबकि शेष तीन सीटें एसटी के लिए रिजर्व हैं। वर्तमान में इन चारों सीटों में से सिंहभम को छोडकर बाकी सभी तीन सीटों पर बीजेपी

का कब्जा है। चाईबासा (सिंहभूम) लोकसभा सीट : बीजेपी ने इस चनाव 2019 में कांग्रेस के टिकट पर सिंहभूम सीट से जीतने वाली गीता कोड़ा को मैदान में उतारा है। वहीं झामुमो ने जोबा मांझी को मैदान में उतारा है। सिंहभूम की सभी पांच विधानसभा (सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, जगन्नाथपुर, मनोहरपुर और चक्रधरपुर) क्षेत्रों में झामुमो के विधायक हैं, लेकिन इन

यानी 28% उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है और 24 ने अपनी संपत्ति शुन्य बताई है।

इलाकों में सड़क, पेयजल, शिक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं से लोग वंचित हैं। बीजेपी की दलील है कि पीएम मोदी ने डीएमएफटी की शुरूआत की थी, लेकिन झामुमो के विधायकों ने डीएमएफटी में घोटाला किया। अपने चहेतों को करोड़ों का काम दिया। जबिक ज्यादातर काम अधरे पडे हैं।

खूंटी लोकसभा सीट: खुंटी में सीधा मुकाबला बीजेपी के अर्जुन मुंडा और कांग्रेस के कालीचरण मुंडा के बीच है। वैसे यहां कल सात प्रत्याशी किस्मत आजमाने चुनावी मैदान में उतरे हैं। कांग्रेस चुनाव प्रचार के दौरान स्थानीय मुद्दों पर ही फोकस कर रही है। कांग्रेस का कहना है कि खंटी से लगातार पलायन हो रहा है। यहां रोजगार नहीं मिल रहा। वहीं बीजेपी प्रत्याशी और केंद्र में मंत्री अर्जुन मुंडा की ओर से मोदी की गारंटी की बात की जा

इलेक्शन के चौथे चरण में 1,710

उम्मीदवारों में से 476 यानी 28

समाज से आते हैं। रही बात मुद्दों की तो कांग्रेस बीजेपी पर पलायन, सरना धर्म कोड, 476 उम्मीदवार हैं करोड़पतिः

इनके पास एक करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है। उम्मीदवारों के पास औसत संपत्ति 11.72 करोड़ रुपये

फीसदी उम्मीदवार करोड़पति हैं। है। बता दें शिवसेना (शिंदे गुट),

बीजेडी, आरजेडी, शिवसेना (यूबीटी), टीडीपी और बीआरएस के सभी प्रत्याशी करोड़पति हैं। वहीं, 24 उम्मीदवारों ने अपनी

संपत्ति शुन्य बताई है। आंध्र प्रदेश की बापटला सीट से निर्दलीय उम्मीदवार कट्टा आनंद बाबू के पास कुल ७ रुपये की संपत्ति है।

के नाम पर वोट मांगने का आरोप बार घूरन राम बीजेपी में हैं। लगा रही है। लोकतंत्र और ममता भुइंया पहली बार चुनाव संविधान के खतरे में होने की लड़ रही हैं। भुइंया अनुसूचित बात की जा रही है। कांग्रेस कह जाति बहुल इस इलाके में ममता रही है कि बॉक्साइट पर भुइंया अपने वोट बैंक को आधारित बड़े उद्योग की जगह एकजुट करने की कोशिश में मध्यम और लघु उद्योग को जुटी हैं। बढ़ावा देने की जरूरत है। पलाम् लोकसभा सीट :

बदहाल शिक्षा व्यवस्था और धर्म

पलाम् लोकसभा क्षेत्र में कुल छह

विधानसभा सीटें हैं। इनमें से चार

विधानसभा सीटों पर बीजेपी,

एक पर झाममो और एक पर

एनसीपी का कब्जा है। इंडिया

गठबंधन के तहत यह सीट

आरजेडी के खाते में गई है। पार्टी

ने ममता भइंया को उम्मीदवार

बनाया है। आरजेडी ने पलायन

और सुखाड़ को मुद्दा बनाया है,

इसके लिए उसने केंद्र की बीजेपी

सरकार को जिम्मेदार ठहराया जा

रहा है। इस सीट पर अंतिम बार

उपचुनाव में आरजेडी प्रत्याशी

वहीं, बीजेपी प्रत्याशी और पिछले दो बार से सांसद रहे राज्य के पर्व डीजीपी वीडी राम भरोसा दिला रहा हैं कि इस बार पलायन की समस्या को खत्म करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही पलाम् में कारखाने स्थापित किए जाएंगे, ताकि स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल सके। उनकी दलील है कि उनकी बदौलत सोन पाइप लाइन परियोजना स्वीकत हो गयी है, इससे करीब 13 प्रखंडों में पानी की समस्या खत्म हो जाएगी। वह मोदी की गारंटी का भी हवाला देकर वोट मांग रहे हैं।

मिशन 2024 : पश्चिम बंगाल के हुगली में पीएम ने जनसभा को किया संबोधित

कांग्रेस को मिलेंगी 'शहजादे' की उम्र से भी कम सीटें: मोदी

AGENCY KOLKATA:

रविवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के हुगली में चुनावी जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने कहा कि शहजादे की जितनी उम्र है उससे भी कम सीटें कांग्रेस को मिलेंगी। उन्होंने कहा कि यहां इतनी बड़ी संख्या में माताएं-बहनें भी आई हैं। मैं आप सभी का आभारी हुं। मौजूदा चुनाव देश का नेतृत्व चुनने का चुनाव है और देश की जनता का आशीर्वाद सिर्फ भाजपा के साथ है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश ने 10 साल में देखा है कि मोदी की मजबूत सरकार ही देशहित में है, जनहित में है। तीन चरण के चुनाव पूरे हो चुके हैं। चौथे चरण का मतदान कल होने वाला है। तीन चरण के चुनाव के बाद मैं विश्वास से कह सकता हूं कि भाजपा और एनडीए 400 पार कर के ही रहेंगे। अब 400 पार ये नारा नहीं है, ये 400 पार देश के कोटि-कोटि लोगों का संकल्प बन



जनसभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। • फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि भाजपा-नीत एनडीए को तो आप 400 पार करा ही देंगे लेकिन ये कांग्रेस के जो शहजादे हैं ना उनकी जितनी उम्र है कांग्रेस को उससे भी कम सीटें मिलने वाली हैं। इससे साफ है कि आपने दमदार सरकार बनाई और भारत का दम पूरी दुनिया में दिख रहा है। सामान्य तौर पर हमारे परिवार में जो बड़ा होता है उसकी इच्छा होती है कि वो मरने के बाद बच्चों को कोई तकलीफ ना हो, बच्चे दुखी ना हो, बच्चे मुसीबत ना पड़ें इसलिए

परिवार का मुखिया परिवार के बच्चों के लिए कुछ छोड़कर जाना चाहता है। अपने वारिस को कुछ देकर जाना चाहता है, लेकिन मोदी का वारिस कौन है, मेरे वारिस तो आप सब देशवासी हैं। आप ही मेरा परिवार हैं, आप ही मेरे वारिस हैं। आपके अलावा इस दुनिया में मेरा कुछ भी नहीं है। इसलिए मैं भी मेरे इस परिवार के बच्चों के लिए विकसित भारत बना करके उनके हाथ में देना चाहता हूं।

ममता बनर्जी और तृणमूल

बिहारी बुड़बक नहीं, सब कुछ जानते हैं बिहार के लोग : लालू

पीएम मोदी के पटना रोड शो से पहले आरजेडी प्रमुख लालू यादव ने निशा जयना साधा। लालू ने एक्स पोस्ट पर ામલ खुलवा इसी मिल की बनी चीनी की चाय पीऊंगा। 10 बरस हो गए, क्या हुआ तेरा वादा जो प्रधानमंत्री अपने वादेनुसार प्रदेश में एक छोटी सी चीनी मिल नहीं खुलवा सकता हो। लालू ने आगे लिखा, जो प्रधानमंत्री विशेष राज्य के दर्जे से लेकर 10 वर्षों में अपने बड़े–बड़े आसमानी वादों



एवं ऐतिहासिक पटना यूनिवर्सिटी को केंद्रीय यूनिवर्सिटी का दर्जा तक ना दे सके। ऐसे प्रधानमंत्री रोड क्या चाहे गली-गली घूम नुक्कड़ नाटक करे, इससे बिहार को क्या फायदा होगा। बिहारी बुडबक नहीं है। बिहार के लोग अच्छे से जानते है कि बिहार से 40 में से 39 एमपी लेकर बिहार की जगह सब कुछ गुजरात में ही किया और सब निवेश गुजरात ही ले गए जबकि लंबे समय से बिहार में एनडीए सरकार है। फिर 5 साल बाद चनाव में बिहार घमने आते है। 3 चरण में बिहार ने सड़क पर ला ही दिया बाकी बचे 4 चरणों में गली–गली में चक्कर लगवा देगा। ई बिहार है बिहार!

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दूसरी तरफ तृणमूल और अन्य पार्टियों को देखिए वो सारे के सारे लोग देश की जनता को लूटने में ही लगे हुए हैं। ये अपने वारिसों के लिए बंगले बना रहे हैं, महल बना रहे हैं। अगर वो अपने वारिस के

लिए बना रहे हैं तो मैं भी तो अपने

वारिस के लिए बना रहा हं।

पीएस व सहायक के घर से कैश मिलने का मामला मंत्री आलमगीर आलम को ईडी का समन, १४ मई को बुलाया

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री

आलमगीर आलम को ईडी ने समन जारी किया है। ईडी ने उन्हें 14 मई को पूछताछ के लिए बुलाया है। पिछले दिनों मंत्री आलमगीर आलम के पीएस व निलंबित झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी संजीव लाल व सहायक जहांगीर आलम के घर से करोड़ों की कैश बरामदगी हुई थी। ईडी ने संजीव लाल व जहांगीर आलम को सात मई की देर रात ही गिरफ्तार कर लिया था। वे फिलहाल ईडी की रिमांड पर हैं। इसी मामले में ईडी ने मंत्री को समन जारी किया है।

मंत्री के सहायक जहांगीर के घर से मिला था नोटों का पहाड़

निलंबित मुख्य अभियंता बीरेंद्र राम मामले की जांच के दौरान मिले तथ्यों के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय ने झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम को आज रविवार को समन जारी किया और उन्हें 14 मई को ईडी के रांची स्थित रिजनल ऑफिस में पूछताछ के लिए बुलाया है। अवैध खनन मामले की जांच के समय से ही ईडी के अधिकारियों की नजर उन पर थी क्योंकि बरहरवा टोल विवाद मामले में दर्ज प्राथमिकी में उनका नाम शामिल था। पिछले दिनों इनके पीएस संजीव लाल व सहायक



जहांगीर आलम के घर से करोड़ों के कैश बरामद होने के बाद ईडी ने इन्हें समन जारी किया है।

संजीव लाल के प्रोजेक्ट भवन कमरे के ड्रॉवर से मिले थे दो लाख रुपये

बीरेंद्र राम के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान ईडी के अधिकारियों को कमीशनखोरी और बंटवारे को लेकर कई दस्तावेज मिले थे। उसी के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने जांच शुरू की थी। बीरेंद्र राम का बयान भी दर्ज कराया गया था। ईडी को बीरेंद्र राम ने ग्रामीण विकास विभाग में जारी कमीशनखोरी की पूरी जानकारी दी थी। इसके बाद छह मई को ईडी की टीम ने ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल व सहायक जहांगीर आलम के ठिकानों पर छापेमारी की थी। यहां 32 करोड से अधिक कैश बरामद हुए थे।

हेमंत सोरेन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर सोमवार (13 मई) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई करेगी, जिसमें झारखंड के पूर्व सीएम ने कथित भूमि घोटाला से जुड़े मनी लाउंडरिंग केस में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। झारखंड हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन की उस याचिका को 3 मई को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। इस आदेश के

खिलाफ झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता

हेमंत सोरेन सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

हेमंत सोरेन ने लोकसभा चुनाव में

प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत

भी मांगी थी। उन्होंने कहा था कि

उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ



हेमंत सोरेन की फाइल फोटो।

याचिका पर अदालत की ओर से जब तक फैसला नहीं आ जाता, तब तक उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रचार करने की अनुमति दी जाए। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को हेमंत सोरेन की उस याचिका का निस्तारण कर दिया था, जिसमें उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट को यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि मनी लाउंडरिंग केस में उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी (हेमंत सोरेन की) याचिका पर वह फैसला सुनाए।

पूरे देश में मिल रहा इंडिया' गठबंधन को समर्थन : चम्पाई सोरेन

RANCHI : रविवार को मुख्यमंत्री

चम्पाई सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि झारखंड समेत पूरे देश की जनता यह देख रही है कि गांव से लेकर शहर तक और मोहल्लों से लेकर बाजारों तक, ह्यइंडियाह्न गठबंधन के प्रत्याशियों को जनता का स्नेह, सहयोग व समर्थन मिल रहा है। उन्होंने लिखा है कि पिछले चार वर्षों में हर जरूरतमंद परिवार तक सरकार पहुंची और उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया। रोटी, कपड़ा, मकान, पेंशन समेत शिक्षा के माध्यम से सामाजिक बदलाव लाने में हमारी सरकार काफी हद तक सफल रही। इन लाखों परिवारों के आशीर्वाद एवं आप सभी के सहयोग से, झारखंड की आम जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का हमारा अभियान जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि खरसावां में शनिवार को इंडिया गठबंधन की चुनावी सभा में मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन को शामिल होना था, लेकिन खराब मौसम के कारण वह नहीं पहुंच सके।

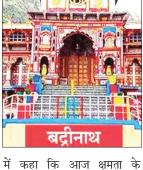
चारधाम यात्रा : 10 मई को ही केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री के खुले थे कपाट

खुल गए बद्रीनाथ के कपाट, पहुंचे हजारों श्रद्धालु

AGENCY DEHRADUN:

रविवार से चारधाम की यात्रा शुरू हो चुकी है। केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट 10 मई को खोल दिए गए। बदरीनाथ के कपाट 12 मई को खोले गए। भारी संख्या में श्रद्धालु चार धाम की यात्रा पर जा रहे हैं।

यमुनोत्री यात्रा स्थापित करने का आग्रह : इस बीच उत्तरकाशी पुलिस ने रविवार को श्रद्धालुओं से अपील की है। दरअसल उत्तरकाशी पुलिस ने चारधाम तीर्थयात्रियों से 12 मई को निर्धारित अपनी यमुनोत्री यात्रा को स्थगित करनेपर विचार करने का आग्रह किया। अधिकारियों ने बताया कि क्षमता के अनुसार पर्याप्त संख्या में श्रद्धालु यमुनोत्री धाम पहुंचे थे। उत्तरकाशी पुलिस ने अपने बयान



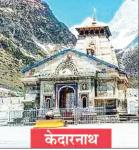
अनुसार पर्याप्त संख्या में श्रद्धालू श्री यमुनोत्री धाम पहुंचे हैं। यमुनोत्री के पास श्रद्धालुओं की

भारी भीड़ पुलिस ने कहा कि अब अधिक श्रद्धालुओं को भेजना जोखिम भरा है। जो भी श्रद्धालु आज यमुनोत्री

जा रहे हैं। उनसे अनुरोध है कि वे



आज अपनी यमुनोत्री यात्रा स्थगित कर दे। सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट शेयर कर उत्तरकाशी पुलिस ने यह जानकारी दी। दरअसल गढ़वाल हिमालय में स्थित यमुनोत्री मंदिर के कपाल खुलने के बाद शनिवार को संकीर्ण पहाड़ी रास्ते पर मंदिर तक जाने वाले पहाड़ी रासते पर भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। बता दें





हिंदू धर्म में गहरा आध्यात्मिक महत्व

बता दें कि चरा धाम यात्रा हिंदू धर्म में गहरा आध्यात्मिक महत्व रखती है। यह आम तौर पर अप्रैल-मई से अक्टूबर-नवंबर तक होती है। बता दें कि अगर आप चार धाम की यात्रा पर जा रहे हैं तो आपको रजिस्ट्रेशन करा लेना चाहिए। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से की जा सकती है। दरअसल रजिस्ट्रेशन न कराने की वजह से लोगों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

भक्तों के लिए खोले जाने के एक दिन बाद कई लोगों को घंटो तक

कि यमुनोत्री मंदिर के दरवाजे लंबी कतारों में खड़े हुए देखा गया। इसका वीडियो भी अब

रामगढ़ डीसी का आदेश

दो अपराधियों को हर दिन

BRIEF NEWS रामगढ़ में नर्स दिवस

पर हुआ कार्यक्रम

RAMGARH : मारवाड़ी युवा मंच रामगढ कैंट शाखा के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया गया। मौके पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मंच के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल और नीतेश बरेलीया के नेतृत्व में समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि नर्सिंग होम की संचालिका डॉ निति बेरलिया थी। मौके पर सचिव धीरज बंसल ने बताया कि इस दिवस ब्रिटिश नर्स फ्लोरल नाइटिगेल के जन्मदिवस को समर्पित है। उन्होंने कहा कि मरीजों के सेहतमंद होने में नर्स महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

धनबाद में खान मजदूर फेडरेशन की बैठक

DHANBAD: धनबाद लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह को समर्थन देने के लिए रविवार को राष्ट्रीय खान मजदर फेडरेशन के स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें दर्जनों की संख्या में मजदूर नेताओं ने शिरकत किया। बैठक में मौजूद सांसद प्रत्याशी अनुपमा सिंह के पति सह बेरमो विधायक कुमार जय मंगल सिंह उर्फ अनुप सिंह ने मजदूर नेताओं से आग्रह किया कि उन्हें ऊंच-नीच और जात-धर्म की राजनीति से ऊपर उठकर महागठबंधन प्रत्याशी अनुपमा सिंह को वोट दें और कांग्रेस के हाथ को मजबूत करें।

पलामु में रथयात्रा के आयोजन को ले बैठक

PALAMU: भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा को लेकर हरे कृष्णा युथ की बैठक डालटनगंज पुलिस लाइन मेजर मोड स्थित हरे कृष्ण निवास में रविवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता रांची इस्कॉन के संस्थापक गोविंद प्रभु ने की। बैठक में रथ यात्रा के आयोजन को लेकर तैयारी शुरू करने और वृहद रूप से सफल बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से अध्यक्ष प्रथम उप महापौर मंगल सिंह मौजूद थे। बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी दी गई की आगामी सात जुलाई को हरे कृष्ण निवास से रथ यात्रा निकाली जाएगी।

पलामू की कुछ पंचायतों में वोट बहिष्कार का निर्णय

PALAMU: जिले के पांकी प्रखंड के अतिसुदूरवर्ती केकरगढ़ पंचायत के ग्राम हेडूम, गरिहरा, जयपुर में बुथ संख्या 323 में मतदाताओं ने एक साथ होकर वोट बहिष्कार का फैसला लिया है। रोड नहीं बनने से लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। बता दें कि केकगाद पंचायत मांग्रद आदर्श पंचायत है। दो बार इस पंचायत को गोद लिया गया। बावजूद सड़क सहित अन्य सुविधाओं में कोई बढोतरी एवं बदलाव नहीं हुआ। ग्रामीणों ने हाथों में तिख्तयां लेकर प्रदर्शन करते हुए रविवार को कहा कि रोड नहीं तो वोट नहीं करने का निर्णय लिया है। राज्यसभा सांसद द्वारा दो बार आदर्श पंचायत के रूप में गोद लिए जाने के बावजूद केकरगढ मूलभूत सुविधाओं से कोसों दूर है। आजादी के 77 साल बीत जाने के बाद भी एवं सांसद आदर्श पंचायत के रूप में चिन्हित रहने बावजूद इस पंचायत के लोग पेयजल, बिजली, सिंचाई, रोजगार सहित अन्य मूलभूत समस्याओं से

देवघर, दुमका और कोडरमा में अलग अलग दुर्घटनाओं में चार बच्चों की मौत लगनी होगी हाजिरी

24 घंटे में तीन बड़े हादसे : घटनाओं में करीब दो दर्जन लोग हुए घायल, अस्पतालों में चल रहा इलाज

झारखंड के तीन अलग-अलग जिलों में हुई सड़क दुर्घटनाओं में चार बच्चों की मौत हो गई जबकि दो

स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए नजदीक के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। स्थानीय

PHOTON NEWS TEAM JHARKHAND : 24 घंटे में दर्जन से अधिक लोग घायल हो गये। हादसों के बाद पुलिस की टीमें घटनाओं की जांच कर रही हैं। दुखद पहलू यह है कि इन हादसों की बड़ी वजह वाहन चलाने में की गयी लापरवाही रही है।

ट्रैक्टर पलटने से दो बच्चियों की हुई मौत,15 लोग घायल



घटनास्थल पर पलटा ट्रैक्टर व मौजूद लोग 🛭 फोटोन न्यूज

DEOGHAR : पालोजोरी-बसबटिया मख्य मार्ग सरगजोर के पास टैक्टर पलटने से दो बच्ची की हुई मौत हो गयी। जबिक 14 लोग घायल हो गए हैं। मृतका दो साल की अंजु हेंब्रम सोनारायठाढ़ी थाना क्षेत्र के अमडीहा और सात साल की मोनिता दुडू पालोजोरी थाना क्षेत्र के डोमाडीह कोलभी गांव की रहने वाली थी। घायल में सात लोग गंभीर हैं। सामदायिक स्वास्थ्य केंद्र पालोजोरी में प्राथमिक उपचार करने के बाद सभी गंभीर लोगों को रेफर कर दिया गया है। घटना रात दो बजे की है।

मृतका अंजू के पिता देवीन टुडू ने बताया कि वे लोग पश्चिम बंगाल के नेहा बहाल में मजदूरी करने गए थे। सभी 16 लोग शनिवार रात बंगाल से पालोजोरी चौक तक यहां रात लगभग 12 बजे पहुंचे। के अपने गांव के बगल के घुसको से ट्रैक्टर मंगवाए। उसी पर सभी लोग सवार होकर गांव की निकले। रास्ते में पहले पालोजोरी के डोमाडीह कोलभी गांव के लोगों को उतरना था। पालोजोरी चौक से ट्रैक्टर

बढे ही थे कि ट्रैक्टर का ट्राली पलट गया और यह घटना हो गयी। इसमें दोनों बच्चियों की दर्दनाक मौत हो गयी। बता दें कि पालोजोरी थाना की पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी

पहुंचाया। पलटा हुआ ट्राली को

कोडरमा घाटी में पलटी यात्री बस, तीन घायल



KODARMA: कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत जिला मुख्यालय से दो किलोमीटर दूर घाटी में रविवार को दयान बस के अनियंत्रित होकर पलट जाने से तीन लोग घायल हो गए। बाकी सवारी बाल-बाल बच गई। घायलों की पहचान मोहम्मद साबिर (40), अरबाज (6) और मोहम्मद दाऊद (50) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दयान बस कोलकाता से सवारी बैठाकर बिहार की तरफ जा रही थी। कोडरमा घाटी में बस अनियंत्रित होकर पलट गई। पुलिस की मदद से आनन-फानन में घायलों को सदर अस्पताल लाया गया। इस दौरान आधा घंटे तक सड़क पर जाम लगा रहा। क्रेन की मदद से गाड़ी को सड़क से हटाकर आवागमन चालू किया गया।

बर्थडे मनाकर लौट रहे दो दोस्तों की हादसे में मौत

PHOTON NEWS, DUMKA नगर थाना क्षेत्र के गांधी मैदान के पास शनिवार की रात करीब दो बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से 16 साल के प्रियांसु सोरेन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 16 वर्षीय प्रेम फ्रासिंस सोरेन ने रविवार की दोपहर मेडिकल कालेज अस्पताल में इलाज के क्रम में दम तोड़ दिया। दोनों रात को जामा के बीचकोड़ा गांव में रहने वाले दोस्त मानवेल की बर्थ डे पार्टी मनाने के बाद दोस्त की ही बाइक से घर से लौट रहे थे। प्रियांसु जामा के भुटोकोरिया गांव का रहने वाला था और महुआडंगाल में मामा के घर रहकर पढ़ाई करता था, जबकि प्रेम जामा के ही जामदली पहाडपर का रहने वाला था और सरूवा में नानी के साथ रहकर पढ़ाई कर रहा था। दोनों ने इसी साल नेशनल स्कूल से मैट्रिक की परीक्षा पास की थी। पोस्टमार्टम के बाद शवों को स्वजन के सुपूर्व कर दिया गया। मौत के बाद दोनों के घर में मातम छा गया। जामदली पहाड़पुर आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका प्रेम की मां निमता किस्कू ने बताया कि दोनों बच्चे आपस में दोस्त थे और एक साथ मैट्रिक की परीक्षा पास की थी। शनिवार को बीचकोड़ा में रहने वाले उनके दोस्त अमानवेल का बर्थ डे था। उसने दोनों को पार्टी में



नौ घंटे बाद दूसरे साथी ने तोड़ा दम

हादसे की सूचना मिलने के बाद नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद प्रियांसु को चोट थी। करीब नौ घंटे तक चले

बुलाया था। बाइक नहीं होने पर दोनों ने जाने से मना कर दिया। इस पर इमानवेल ने कहा कि वे किसी तरह से यहां आ जाएं और वापस जाने के लिए अपनी मोटरसाइकिल दे देगा। इसके बाद दोनों जाने के लिए तैयार हुए। किसी तरह से शाम को बीचकोड़ा पहुंच गए। देर रात तक पार्टी मनाने के बाद दोनों इमानवेल की बाइक से घर लौट रहे थे, इसी क्रम में गांधी मैदान के

PHOTON NEWS, RAMGARH लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने के लिए लगाने का प्रयास कर रहे हैं। अब तक एक दर्जन से अधिक अपराधियों को जिला बदर किया

रोते-बिलखते परिजन • फोटोन न्यूज

मृत घोषित कर दिया। जबकि दुसरे की हालत नाजुक होने की वजह से भर्ती कर लिया। उसके सर में गहरी इलाज के बाद उसकी भी मौत हो गई।

पास किसी वाहन ने ठोकर मार दी।

जेल से छटकर रंगदारी के लिए दे रहे थे धमकी

डीसी ने कहा कि अपराधी जेल से छूटकर आने पर अपने घर पर न रहकर बाहर से ही व्यावसायियों एवं ठेकेदारों से रंगदारी की मांग करते हैं। विभिन्न स्रोतों से खबर भिजवाकर या खुद जाकर अपने प्रभाव क्षेत्र के ठेकेदारों व्यवसायियों, ट्रांसपोर्टरों तथा कर्मियों को लेवि के लिए भयभीत करने का कार्य करते हैं। वाद के गवाहों व वादी को डराने धमकाने की संभावना एवं अपराधी की गतिविधियों पर प्रतिदिन निगरानी रखने की आवश्यकता से को देखते हुए

विक्की सिंह और पतरातु बस्ती निवासी गुलशन कुमार शामिल हैं।

आदेश जारी किए गए हैं।

हजारीबाग में करंट से हाथी की मौत

HAZARIBAG: हजारीबाग के मुफ्फिसल थाना क्षेत्र अंतर्गत चुटियारो गांव में बिजली का करंट लगने से एक हाथी की मौत हो गयी। बताया

ह जारी बाग के चुटियारों टमाटर की खेती हुई है,

जा चुका है। साथ ही ऐसे कई

अपराधी हैं, जिन्हें हर दिन थाने में

हाजिरी लगाने का आदेश दिया जा

चुका है। रविवार को उन्होंने बताया

कि पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर

दो और अपराधियों को हर दिन

थाने में हाजिरी लगाने का आदेश

जारी किया गया है। इनमें पतरातू

प्रखंड के सांकुल गांव निवासी



खेत में घुसा था। खेत से निकलने के दौरान हाथी का सुंड़ बिजली की तार में सट गया, जिससे उसकी मौत हो गयी। हजारीबाग वन विभाग के रेंजर विजय कुमार सिंह ने बताया कि चुटियारो गांव में किसानों ने बड़े पैमाने पर टमाटर की खेती की है। सिंचाई के लिए किसानों ने पोल से एक तार खींचा है। उन्होंने बताया कि घटना की जांच-पडताल की जा रही है। जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

झारखंडियों के हित के लिए गठबंधन को करें वोट : चम्पाई

मुख्यमंत्री ने पटमदा के लोवाडीह में की चुनावी सभा

PHOTON NEWS JSR: मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि भाजपा महंगाई को खत्म करने के वादे पर सरकार में आई थी। चुनाव जीतने के बाद महंगाई को भूल गई। नरेंद्र मोदी सरकार ने 400 रुपये के गैस सिलेंडर को 1100 रुपये तक पहुंचा दिया। कालाधन भी वापस नहीं आया। इस सरकार ने बेरोजगार युवाओं को ठगा। प्रतिवर्ष दो करोड रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन दस वर्ष में भी वादा पूरा

मुख्यमंत्री लोवाडीह स्थित नुननूनी टांड़ मैदान में रविवार को इंडी गठबंधन की चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड को भाजपा ने सबसे ज्यादा ठगा है। झारखंड के आठ लाख पीएम आवास की सूची को रोक दिया। 2022 तक सभी को पक्का मकान देने का वादा भी जुमला साबित हुआ। गठबंधन की सरकार ने अबआ आवास योजना शुरू की, जिसमें वंचित लोगों को पक्का मकान दिया जा रहा है। चम्पाई ने कहा 2019 से हेमंत सरकार बनने के बाद से ही



षडयंत्र कर रही है। हेमंत सोरेन को झठे केस में जेल में डाल दिया। पूर्व की रघुवर सरकार पर गरीबों का 11 लाख राशनकार्ड रद्द करने का आरोप लगाते हुए कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार वंचित लाख परिवारों का हरा राशनकार्ड बनाकर राशन दे रही है। सभी ग्रामीणों को पेंशन दिया

चम्पाई सोरेन ने जमशेदपुर से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी समीर कुमार मोहंती को वोट देकर जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की जीत से झारखंड वासियों को भाजपा के लूट से मुक्ति मिलेगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने लातेहार के मतदान केंद्रों का किया स्थल निरीक्षण

मतदान के लिए छुट्टी लेकर घर वापस आ रहे प्रवासी वोटरों के प्रति जताया आभार

PHOTON NEWS, LATEHAR

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के. रवि कुमार ने रविवार को चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लातेहार जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय अम्बाटीकर, राजकीयकत मध्य विद्यालय. लातेहार बाजार, राजकीय बुनियादी विद्यालय, धर्मपुर और मनिका के राजकीय उर्दू मध्य विद्यालय, नामुदाग, स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर लोकसभा चुनाव की तैयारी का जायजा लिया।

चतरा लोकसभा क्षेत्र में 20 मई को मतदान होना है। इसे लेकर लातेहार जिले के मतदाताओं में काफी उत्साह है। मख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने नैतिक मतदान को लेकर 60 से अधिक आयुवर्ग की मतदाता शीला देवी से बात की। वह नैतिक मतदान करने को लेकर



काफी उत्साहित दिखीं। उन्होंने बताया कि 20 मई को होने वाले मतदान को लेकर राजकीयकृत मध्य विद्यालय स्थित मतदान केंद्रों में वह परिजनों के साथ अपनी पसंद से मतदान करेंगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदान केंद्र के स्थल निरीक्षण एवं क्षेत्र भ्रमण के दौरान मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया। उन्होंने सभी को पूरे उत्साह से मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान

• मल्लिकार्जुन खड़ग

रहेंगे उपस्थित

उन्होंने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध न्यूनतम सुविधाओं का भी आकलन किया। बीएलओ से वहां की तैयारियों को जाना। उन्होंने बीएलओ से मतदान केंद्र जागरूकता समूह, आब्सेंट, शिफ्ट एवं डेथ (एएसडी) सूची को सार्वजनिक रूप से पढ़वाकर वेरिफाई कराया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी को मतदान केंद्रों पर तैयारी की मामूली कमियों को दूर करने तथा एएसडी सूची की

त्रटियों में सधार कराने का निर्देश था। वहां बडी संख्या में सखी किया। कई मतदान केंद्रों पर वोटर केंद्रों के बचे वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप का वितरण शीघ्र पूरा कराने का निर्देश दिया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष ली मतदान की शपथ

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने

विभिन्न मतदान केंद्रों के निरीक्षण दौरान वहां उपस्थित मतदाताओं को मतदाता शपथ दिलाई। के. रवि कुमार ने इस क्रम में वालेंटियर एवं रसोईया से बातचीत की। उनके दायित्वों को जाना और उन सभी का उत्साहवर्धन किया। लातेहार एवं मनिका के विभिन्न मतदान केन्द्रों पर रंगोली बनाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया

को लेकर काफी उत्साह था। क्षेत्र इन्फॉर्मेशन स्लिप का वितरण पूरा भ्रमण के दौरान मुख्य निर्वाचन कर लिया गया था। कळ मतदान पदाधिकारी को सचना पाप्त हुई कि राज्य से बाहर प्रवास कर रहे मजदर वर्ग के लोग भी अपने मताधिकार के इस्तेमाल के लिए घर वापस आए हैं। उन्होंने वैसे प्रवासी वोटरों को मतदान के लिए छुट्टी लेकर घर वापस आने के लिए आभार व्यक्त किया।

पोस्टल बैलेट के लिए मतदाता सुविधा केंद्र का किया निरीक्षण

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने गांधी इंटर कॉलेज, लातेहर स्थित पोस्टल बैलेट के लिए मतदाता सुविधा केंद्र का निरीक्षण किया। यहां सर्विस वोटर, आवश्यक सेवा से जुड़े वोटर द्वारा पोस्टल बैलेट से किए जा रहे मतदान से जुड़ी सुविधाओं की जानकारी ली।

बुढा पहाड़ के आठ बुथों के लिए

हेलीकॉप्टर से पोलिंग पार्टी रवाना

झारखंड में पहले चरण के चुनाव में 45 प्रत्याशियों की किस्मत का होगा फैसला

तीन पोस्ट ग्रेजुएट, एक साक्षर उम्मीदवार मैदान में

PHOTON NEWS RANCHI: राज्य में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 45 उम्मीदवार मैदान में हैं। राज्य की 14 लोकसभा सीटों में से चार सीटों सिंहभूम, खुंटी, लोहरदगा और पलामु के लिए 13 मई को चौथे चरण में मतदान होना है। इन चार सीटों में से एक पलाम् सीट एससी के लिए रिजर्व है, जबिक शेष तीन सीटें एसटी के लिए रिजर्व हैं। वर्तमान में इन चारों सीटों में से सिंहभूम को छोड़कर बाकी सभी तीन सीटों पर भाजपा का कब्जा है।

इन उम्मीदवारों में से सिर्फ तीन उम्मीदवार पोस्ट ग्रेजुएट हैं। इनमें अपर्णा देव भगत, आशा कुमारी रूंडा और सुखदेव भगत शामिल हैं। वहीं एक उम्मीदवार महेंद्र बैठा सिर्फ साक्षर हैं। एडीआर की रिर्पोट में इसका जिक्र किया गया



जबिक 16 उम्मीदवार ग्रेजुएट हैं। इनमें अर्जुन मुंडा, अर्पणा हंस, बबिता कच्छप, बसंत लोंगा, बिहारी भगत, ब्रजेश तुरी, चमरा लिंडा, गीता कोड़ा, महादेव चंद्र कुंकल, ममता भुईयां, मारयुनिस तिग्गा, पनमानी सिंह, परदेशी लाल मुंडा, रंजीत भगत, बीडी राम और वृंदा राम शामिल हैं। छह

उम्मीदवार सिर्फ आठवीं पास हैं। इनमें वीर सिंह देवगम, कामेश्वर बैठा, पास्टर संजय कुमार तिर्की, राम वचन राम, सानिया उरांव और स्टीफन किंडों का नाम शामिल हैं। सात उम्मीदवार सिर्फ दसवीं पास हैं। इनमें गिरिजानंदन उरांव, जोबा मांझी, मणि मुंडा, पवन तिग्गा, रामचंद्र भगत, सानन राम और

गोड्डा लोकसभा सीट के लिए प्रदीप यादव १३ मई को करेंगे नामांकन

RANCHI: गोड्डा लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार प्रदीप यादव सोमवार को नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे। इस मौके पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई दिग्गज नेता उपस्थित रहेंगे। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष दिनेश यादव ने बताया कि नामांकन करने समाहरणालय प्रदीप यादव सामान्य तरीके से जाएंगे इसके बाद गोड्डा के मेला मैदान में जनसभा के आयोजन का आयोजन किया गया है। इसमें मल्लिकार्जुन खडगे, मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन सहित कई 📙

अन्य नेता मौजूद रहेंगे। वहीं, गोड्डा लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार निशिकांत दुबे अपना नामांकन दाखिल कर चुके हैं। नामांकन के दिन उनके समर्थन में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रोड शो किया था।

संग्राम मार्डी के नाम शामिल हैं। अर्जुन टोप्पो, विश्वा विजय मार्डी, वहीं 12वीं पास उम्मीदवारों में चित्रसेन सिंकू शामिल हैं।

झारखंड में ५१९ पोलिंग बुथ महिलाओं के जिम्मे

RANCHI : लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में राज्य की चार सीटों पर मतदान होना है। इसमें खुंटी, सिंहभूम, लोहरदगा और पलाम् संसदीय सीट शामिल हैं। झारखंड के हिसाब से यहां पहले चरण में होने वाले मतदान की तैयारी लगभग पूरी हो गई है। चुनाव आयोग के अनुसार 519 पोलिंग बुथ की जिम्मेदारी महिला निर्वाचन कर्मियों को दी गई है। इसके साथ 14 ऐसे मतदान केंद्र बनाए हैं, जहां निर्वाचनकर्मी वोटिंग कराएंगे। सभी 7595 मतदान केंद्र आदर्श मतदान केंद्र होंगे। चुनाव आयोग के अनुसार सबसे ज्यादा खूंटी में महिला निर्वाचनकर्मी मतदान की

जिम्मेदारी संभालती नजर आएंगी।

PHOTON NEWS PALAMU:

पलाम् लोकसभा चुनाव के लिए मतदानकर्मियों को मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। इसी कड़ी में डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पड़ने वाले कुख्यात रहे बुढ़ा पहाड़ इलाके के आठ मतदान केंद्र के लिए पोलिंग पार्टी को वायु सेना के विशेष हेलीकॉप्टर से रवाना किया गया। सभी मतदान दल गढ़वा जिले में लैंड करेंगे और 13 मई की सुबह 7 बजे से मतदान कराएंगे। सभी मतदानकर्मियों को मेदिनीनगर के जीएलए कॉलेज स्थित डिस्पैज सेंटर से बस द्वारा चियांकी हवाई अड्डा भेजा गया। वहां से सभी को हेलीकाप्टर में बैठाकर ले

सुरक्षा बल की ७५ कंपनियां तैनात

शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न कराने के लिए सुरक्षांबलों की 75 कंपनियां तैनात कर दी गई है। इसमें पलामू जिला में 35 व गढवा जिला में 40 कंपनी सुरक्षा बल शामिल है। इसमें सीऑरपीएफ, सीआईएसएफ, गुजरात पुलिस, राजस्थान पुलिस, गोवा पुलिस, हरियाणा पुलिस बल के जवानों को भी तैनात किया गया है। लोकसभा चुनाव को लेकर पलामू पुलिस ने भी नक्सली इलाकों में नक्सल विरोधी अभियान शुरू कर दिया है।

दस मतदान केंद्रों को सुरक्षा के दृष्टिकोण से रिलोकेट कर दिया गया है। रिलोकेट होने वाला दस मतदान केंद्रों में छह पलामू जिला में है जबिक चार मतदान केंद्र गढ़वा जिले में हैं। इसमें पलामू जिला अंतर्गत छतरपुर के डुन्दूर मतदान केंद्र को तारडीह, रतनाग की लालगड़ा, माड़ादाग को खडार, हुसैनाबाद के माहुर मतदान केंद्र कोयल परियोजना हाई स्कूल मोहम्मदगंज, प्रतापपुर को महुडंड, लोहबंधा को महुडंड, गढ़वा के बूढापहाड़ के इलाके के हरता मतदान केंद्र को बिजका, तुरेर, कुटकु, खटाई टोला सनेया मतदान केंद्र को मतगड़ी में रिलोकेट किया गया है।

Monday, 13 May 2024

O BRIEF NEWS

उंगली पर लगी स्याही दिखाएं, निगम क्षेत्र में मिलेंगी कई सुविधाएं

RANCHI: लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए रांची नगर निगम मतदान के दिन 25 मई को नागरिकों के लिए विशेष पहल कर रहा है। इसमें रांची नगर निगम क्षेत्र में कई बंदोबस्त किए गए हैं, जिनमें मतदान के बाद फ्री पार्किंग, निगम पार्क में फ्री एंट्री और सिटी बस पर निःशुल्क यात्रा जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। इसका फायदा उठाने के लिए नागरिकों को मतदान के बाद उंगली पर लगी अमिट स्याही दिखानी होगी। इसके साथ रांची नगर निगम ने सभी नागरिकों से मतदान करने की अपील की है।

जेलकर्मी अवधेश कुमार से ईडी आज करेगी पछताछ

RANCHI: बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में पदस्थापित पलिसकर्मी अवधेश कुमार से ईडी सोमवार को पूछताछ करेगी। ईडी ने अवधेश कुमार को सात मई को नोटिस भेजकर 13 मई को ईडी के जोनल ऑफिस में उपस्थित होने को कहा था। इससे पहले भी ईडी ने अवधेश कुमार को नोटिस भेजकर पछताछ के लिए बलाया था। छह जनवरी को ईडी ने साहिबगंज में 1250 करोड़ रुपये के अवैध खनन और इसी केस में ईडी के गवाहों को प्रभावित करने से जुड़े मामले में चार लोगों को समन किया था। मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार रहे अभिषेक प्रसाद पिंटू को ईडी ने 16 जनवरी को पुछताछ के लिए तलब किया था। वहीं, साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव को 11 जनवरी को ईडी ने बुलाया था। मुख्यमंत्री के करीबी मित्र और पेशे से आर्किटेक्ट विनोद कुमार सिंह को 15 जनवरी को और जेल के वार्डन अवधेश कुमार सिंह को 11 जनवरी की उपस्थित होने का

समन दिया गया था। हटिया डैम में डूबे दोनों भाइयों के मिले शव

RANCHI: नगड़ी थाना इलाके के हटिया डैम में शनिवार को नहाने के दौरान दो भाइयों की डूबने से मौत हो गई। एनडीआरएफ की टीम ने रविवार को दोनों शवों को बाहर निकाल लिया है। दोनों भाई प्रभात तारा के विद्यार्थी थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों लडके आर्य शर्मा और आलोक डैम में बने खतरे के निशान को पार कर गये थे, जिसकी वजह से वे डूब गये। स्थानीय गोताखोरों ने शनिवार को काफी खोजबीन की लेकिन दोनों का कुछ पता नहीं चल पाया था। इसके बाद शनिवार की शाम करीब 4.45 बजे एनडीआरएफ की टीम वहां पहुंची और दोनों की खोजबीन शुरू की लेकिन अंधेरा होने के कारण उनका पता नहीं चल पाया। इसके बाद रविवार की सुबह एनडीआरएफ की टीम ने फिर से तलाश शुरू की और दोनों के शव बरामद कर लिये। मृतकों के परिवार वालों का कहना है कि उनके बच्चे कब हटिया डैम पहुंच गए इसकी जानकारी नहीं है।

जन-जन तक पहुंचाएं कांग्रेस का गारंटी कार्ड : निसार खान

RANCHI: जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी निसार खान ने कांग्रेस द्वारा अपने घोषणापत्र में पांच न्याय युवा न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय, श्रमिक न्याय और हिस्सेदारी न्याय के साथ पच्चीस गारंटी कार्ड को गठबंधन के कार्यकताओं से जन-जन तक पहुंचाने की अपील की है। उन्होंने कार्यकताओं से नमामि गंगे, एक सौ स्मार्ट सीटी, सस्ता गैस सिलेंडर, दो करोड़ युवाओं को रोजगार, बेटी बचाओ, बुलेट ट्रेन, किसानों की आय दोगुना, पांच ट्रिलियन इकॉनमी, परिवार के लिए मकान, पैंतीस रूपए लीटर पेट्रोल का पदार्फाश करने की अपील की। कहा कि इस समय देश का लोकतंत्र और डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा लिखी गई संविधान खतरे में है, उसे बचाने के लिए इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को भारी बहुमत से जिताने की अपील भी की।

चम्पाई नाममात्र के मुख्यमंत्री कल्पना सुपर सीएम : सीता

दुमका की भाजपा प्रत्याशी ने हेमंत सोरेन की पत्नी पर साधा निशाना

PHOTON NEWS RANCHI:

दुमका लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन ने फिर पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन को निशाने पर लिया है। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर मुख्यमंत्री के लिए भी चिंता जाहिर की है। साथ ही झामुमो में उपेक्षा किए जाने का आरोप भी

सीता सोरेन ने कहा कि चम्पाई सोरेन को नाममात्र का मुख्यमंत्री बनाकर रखा गया है। उनकी बजाय कल्पना सोरेन को अधिक



महत्व है। कल्पना का झामुमो पार्टी में भी कोई पद या स्थान नहीं

मुख्यमंत्री से बड़ा प्रोजेक्ट किया जा रहा है और वही सुपर सीएम के तौर पर फैसले ले रही हैं। है। बावजूद इसके उनको

दुर्गा सोरेन ने खन से सींच कर मानकर आगे बढ़ने से रोकने के पार्टी की नींव को किया मजबत

सीता ने कहा कि जिस पार्टी की नींव को उनके पति दुर्गा सोरेन ने खून से सींचकर मजबूत किया, जिस झारखंड के विकास और उत्थान के लिए उन्होंने जान तक न्योछावर कर दी, उस पार्टी में उन्हें मिलने वाले अधिकारों के नाम पर सिर्फ और सिर्फ सांत्वना तथा चुप रहने की हिदायत दी गई। इतना ही नहीं 14 साल एक पार्टी में समर्पित भाव से रहने के बाद भी पहले तो जनता के बीच जाने और काम करने से रोका गया फिर हमें खतरा

लिए अनेकों षड्यंत्र रचे गए।

उल्लेखनीय है कि सीता सोरेन जामा से झामुमो की विधायक रह चुकी हैं। वे शिब्रु सोरेन परिवार की बह हैं। परिवार और पार्टी में उपेक्षा का आरोप लगाकर उन्होंने झामुमो को अलविदा कह भाजपा का दामन थाम लिया था। अभी हाल ही में वे झामुमो के अध्यक्ष और ससुर शिब्रु सोरेन से मिली थीं। तब उन्होंने कहा था कि परिवार को कोई छोड नहीं सकता। इसके बाद उनकी घर वापसी के कयास

आज आधी व वज्रपात के साथ होगी बारिश, चलेंगी तेज हवाएं

PHOTON NEWS RANCHI:

मौसम केंद्र ने अलर्ट जारी कर कहा

है कि 13 मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिणी भागों में कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवा का झोंका चलने के साथ वज्रपात होने की आशंका है। हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है। इसका असर पर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा, धनबाद जिले में देखने को मिलेगा।

13 मई को इन इलाकों में होगी बारिश: 13 मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी, दक्षिणी और निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के दर्जे की बारिश होने की उम्मीद है। इसका असर पूर्वी सिंहभम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, दुमका,

देखने को मिलेगा। 14 मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के दर्जे की बारिश होने की उम्मीद है। इसका असर साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, दुमका, देवघर. जामताडा, धनबाद. गिरिडीह जिले में देखने को मिलेगा। 14 मई को वज्रपात की

आशंका : 14 मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवा का झोंका चलने के साथ वज्रपात होने की आशंका है। हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है। इसका असर साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा, धनबाद, गिरिडीह जिले में देखने को मिलेगा। राज्य में अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। इसके बाद अगले तीन दिनों में इसमें धीरे-धीरे तीन से चार डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है।

'पहले मतदान, फिर जलपान' का नारा लगाकर वोटिंग का लोगों ने लिया संकल्प

'इंडिया कल्ट फैशन वीक' का आयोजन



कार्यक्रम में उपस्थित लोग। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI:

रविवार को मतदाता जागरूकता अभियान के तहत धरोहर बैंक्वट हाल में इंडिया कल्ट फैशन वीक का आयोजन हुआ। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए हुए हिस्सा लिया एवं देश के विभिन्न हिस्सों से आए दर्शकों ने भी इसकी शोभा बढ़ाई। सभी ने एक मत से वरिष्ठ समाजसेवी शंकर दुबे का पहले मतदान फिर जलपान का नारा को दोहराकर समर्थन किया। इसके साथ ही लोगों ने वोटिंग का

शंकर दुबे ने बताया कि वोट

संवैधानिक अधिकार है और हमारी जिम्मेवारी भी है और देश में नागरिकों को वोट करने से देश का लोकतंत्र मजबूत होता है और हमें पांच वर्षो में इस महापर्व के तहत प्रत्यासी और सरकार चुनने का अवसर मिलता है। अपने एक वोट के जरिए हम वीकसित समृद्ध और शक्तिशाली देश का निर्माण करने में सहायक हो सकते है।

इस अवसर पर समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी, डॉ सौरभ चौधरी, विक्की करमाली,शुभम कुमार गोप, कोशल पांडेय. अनमोल गप्ता, पिया बर्मन,आदि

इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम देश का सबसे बड़ा घोटाला, एसआईटी जांच जरूरी : प्रशांत भूषण

रांची प्रेस क्लब में 'इलेक्टोरल बॉन्ड्स और राजनीतिक दल' विषय पर हुई परिचर्चा

रविवार को रांची के प्रेस क्लब सभागार में गैरसरकारी संस्था कॉमन कॉज, सतर्क नागरिक संगठन और लोकतंत्र बचाओ अभियान के तहत इलेक्टोरल बांड्स और राजनीतिक दल विषय पर परिचर्चा हुई। इसमें सर्वोच्च न्यायालय के प्रख्यात अधिवक्ता प्रशांत भूषण, कॉमन कॉज से जुड़ीं समाजसेवी अंजली भारद्वाज और लोकतंत्र बचाओ अभियान से जुड़ीं एलिना ने शिरकत की। इसके अलावा समाज के अलग-अलग वर्गों के लोगों की भी इसमें भागीदारी रही। सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत भूषण ने इलेक्टोरल बॉन्ड्स को काला धन सफेद करने की सबसे बडी योजना बताया।

सर्वोच्च न्यायालय के रिटायर जज की देखरेख में एसआईटी करे मामले की जांच : भषण ने कहा कि जब यह साफ हो गया है कि पॉलिटिकल पार्टियों को



चंदा के बदले में लाभ देने, मनी लॉन्ड्रिंग के साधन के रूप में इस्तेमाल बनकर रह गया, ऐसे में अब बहुत जरूरी है कि पूरे मामले की जांच की जाए और दोषियों के

कि उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की है कि सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में एसआईटी का गठन कर मामले की जांच कराई जाए। इसके

खिलाफ कार्रवाई की जाए। कहा

जो भी दोषी हों उनपर कानूनी प्रावधान के तहत कार्रवाई हो।

राजनीतिक दलों को भी आरटीआई के दायरे में लाया जाए: प्रशांत भूषण ने कहा कि 2013 में ही सेंट्रल इनफार्मेशन कमीशन द्वारा राजनीतिक दलों को सूचना के अधिकार के दायरे में लाने का निर्देश दिए जाने के बावजूद आज तक यह संभव नहीं हो पाया है। ऐसे में इसके लिए भी वह सर्वोच्च न्यायालय की शरण में सकें. भ्रष्टाचार पर रोक के लिए बहुत जरूरी है कि राजनीतिक दलों की लेनदेन नकदी से करने पर पूरी तरह रोक लगा दी जाए। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने किसी भी कंपनी से पॉलिटिकल पार्टियों के चंदा लेने पर रोक लगा दी है, कोई व्यक्ति ही चंदा

जो लोग बीजेपी में शामिल हो गए, उनपर ईडी की कार्रवाई धीमी पड़ गई: भूषण ने अंग्रेजी समाचार पत्र का हवाला देते हुए कहा कि विपक्षी दलों के 25 नेताओं पर ईडी की कार्रवाई चल रही थी। जब ये भाजपा में शामिल हुए तो इन 23 नेताओं पर ईडी की कार्रवाई या तो बंद हो गई या फिर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। पीएम मोदी के बयान पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि आज पीएम अडाणी-अंबानी का नाम लेकर कांग्रेस पर आरोप लगा रहे हैं। सब जानते हैं

सूचना के अधिकार के दायरे में आ रहा है। प्रज्ज्वल रेवन्ना के मामले में सब जानते हुए भी पीएम उनके लिए वोट मांगते हैं। 'मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है तार' :

> कॉमन कॉज और सतर्क नागरिक संगठन से जुड़ीं समाजसेवी अंजली भारद्वाज ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड घोटाला में जो तथ्य आए हैं, उससे साफ पता चलता है कि यह मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा मामला है। चंदा देने वाली 33 कंपनियां ऐसी है जिनका नेट एग्रीगेट लॉस 01 लाख करोड़ से अधिक का था। इसके बावजूद इन कंपनियों ने 575 करोड़ के इलेक्टोरल बॉन्ड्स खरीदे और उसका 75 प्रतिशत चंदा भाजपा को गया। यह कैसे संभव है, क्या कंपनियों की आड में किसी और का पैसा राजनीतिक दलों को देकर काला धन को सफेद किया जा रहा था। यह बड़ा सवाल है। नियम को ताक पर रखकर नई-नई कंपनी बनाकर चंदा दिया गया तो जबरन

आदिवासी और ओबीसी विरोधी वोटिंग के लिए पोलिंग पार्टिय बयान पर माफी मांगें खड़गे : प्रतुल शाहदेव

PHOTON NEWS RANCHI:

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतल शाहदेव ने रविवार को मारू टावर स्थित मीडिया सेंटर में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से झारखंड यात्रा के दौरान सार्वजनिक रूप से विभिन्न मुद्दों पर गलतबायनी करने के लिए माफी मांगने की मांग की है। प्रतुल ने कहा कि कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने राम मंदिर का शुद्धिकरण करने की बात को कहकर कांग्रेस के आदिवासी और ओबीसी विरोधी रवैया को दिखा



मीडिया को जानकारी देते प्रतुल शाहदेव व अन्य। • फोटोन न्यूज

दिया है। एक आदिवासी बेटी राष्ट्रपति पद पर और एक पिछड़ा समाज से प्रधानमंत्री इनको पच नहीं रहा है। राम मंदिर के शुद्धिकरण की बात कर रहे

हैं और वह भी तब जब हाल ही के दिनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वहां की यात्रा की थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी प्राण-प्रतिष्ठा में यजमान के रूप में शरीक हुए थे। कांग्रेस ऊपर से

शुद्धिकरण के लिए जो बहाने बनाए पर आदिवासी और ओबीसी समाज को अपमानित करने का इनका पुराना रिकॉर्ड रहा है।

प्रतल ने सरना धर्म कोड पर भी कांग्रेस को घेरते हुए मल्लिकार्जुन खडगे से जानना चाहा कि जब तत्कालीन सांसद सुदर्शन भगत ने 22 अगस्त, 2013 को तत्कालीन प्रधानमंत्री और आदिवासी कल्याण मंत्री से पत्र लिखकर सरना धर्म कोड को लाग करने की मांग की थी। तत्कालीन आदिवासी कल्याण मंत्री वी किशोर चंद्रदेव ने 11 फरवरी, 2014 को जवाब देते हुए कहा था कि

36 कर्मियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

डिस्पैच सेंटर नहीं पहुंचनेवाले मतदान कर्मियों के खिलाफ डीसी ने लिया एक्शन

PHOTON NEWS RANCHI:

रविवार को खुंटी और लोहरदगा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान के लिए रांची जिला अंतर्गत तमाड़ और मांडर विधानसभा क्षेत्र के लिए पोलिंग पार्टियों को रवाना कर दिया गया। मोरहाबादी फटबॉल स्टेडियम अवस्थित डिस्पैच सेंटर से निवार्ची पदाधिकारी 08-रांची संसदीय क्षेत्र राहुल कुमार सिन्हा की देखरेख में पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया। इस दौरान कई मतदानकर्ती अनुपस्थित थे, जिनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अनुपस्थित रहनेवाले 36

झालसा की सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना पहुंचीं होटवार जेल, बंदियों को मिल रहीं सुविधाओं की ली जानकारी



बैठक में उपस्थित डीसी व मतदानकर्मी। • फोटोन न्यूज

मतदानकर्मियों को कारण पुच्छा समर्पित करने का आदेश जारी किया गया है, स्वीकार्य योग्य स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होने की स्थिति में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की

जाएगी। निवार्ची पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा द्वारा सभी मतदानकर्मियों को रांची लोकसभा क्षेत्र में मतदान के लिए होनेवाले डिस्पैच हेतु सुबह 6:30 से 7:00 बजे के बीच डिस्पैच सेंटर पहुंचने का निर्देश दिया गया है।

काटाटोली-बूटी मोड़ सड़क पर डिवाइडर ने चलना किया मुश्किल

PHOTON NEWS RANCHI: पथ निर्माण विभाग द्वारा विकास से लेकर कांटाटोली तक सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही यहां डिवाइडर का भी निर्माण हो रहा है। लेकिन आम लोगों की सहलियत के लिए बनाये जा रहे ये डिवाइडर इस सड़क से गुजरनेवालों के लिए परेशानी का सबब बन गये हैं। एक तो पहले से ही संकरी इस सड़क पर बीच में डिवाइडर का निर्माण करने से सड़क और अधिक संकरी हो गयी है। वहीं इस संकरी सड़क पर भी एक लेन पर हरदम वाहन पार्क रहते हैं। नतीजा जैसे ही कोई बड़ा वाहन ट्रक या बस इससे गुजरता है, तो वाहनों की लंबी कतार लग

ऐसे हो रहा सड़क का निर्माणसङ्क चौड़ीकरण के नाम पर भी मनमानी यहां चरम पर है। ठेकेदार को जहां मन कर रहा है, वहां सड़क चौड़ी की जा रही है।

वहीं जहां मन नहीं कर रहा है, सड़क पतली ही छोड़ दी जा रही है। कहीं कहीं पर तो बिना सड़क का निर्माण किये ही कर्मी आगे बढ़ जा रहे हैं। इतना ही नहीं, सांप की जैसी बनी नाली को तोड़कर सीधा करने की बजाय जैसे-जैसे नाली बनी है, वैसा ही सड़क का निर्माण कर ठेकेदार के लोग आगे बढ़ जा रहे हैं। जिससे परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है।

हर चार कदम पर कट, पर रिफ्लेक्टर कहीं नहीं: जाम कम लगे, इसके लिए डिवाइडर का निर्माण तो किया गया है। लेकिन इसमें हर चार कदम पर कट दे दिया गया है। इतना ही नहीं इन कटों में किसी में रिफ्लेक्टर भी नहीं लगा हुआ है। ऐसे में जब लोग रात में इस सड़क से गुजरते हैं, तो उनका डिवाइडर से टकराने का खतरा भी बना हुआ रहता है। ऐसे में आम राहगीरों को काफी संभल कर चलना पड़ता है।

द्रीय कारागार के सभी वार्डों का किया मुआयना **PHOTON NEWS RANCHI:** झालसा की सदस्य सचिव कुमारी

रंजना अस्थाना ने रविवार को रांची की होटवार जेल (बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार) का निरीक्षण किया। उन्होंने पुरुष व महिला वार्ड में बंदियों से बातचीत कर दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। कम उम्र के दिख रहे बंदियों से भी आयु व केस की जानकारी ली। झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश सह झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा निर्देश पर वे रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष दिवाकर पांडे के साथ जेल पहुंची थीं। जेल परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया



जमानत की शर्तों में बदलाव को लेकर करें आवेदन : झालसा की सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना ने कहा कि जिन बंदियों की जमानत हो गयी है, लेकिन बेलर के अभाव में वे जेल में ही हैं, तो वे जमानत की शर्तों में बदलाव के लिए जिला विधिक

सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) को आवेदन दे सकते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के साथ-साथ लीगल एड डिफेंस काउंसिल के बारे में भी बंदियों को जानकारी

पुरुष व महिला वार्ड का निरीक्षण : झालसा की सदस्य

सचिव कुमारी रंजना अस्थाना और रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष दिवाकर पांडे ने बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा (होटवार जेल) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुरुष वार्ड में बंदियों से मुलाकात की और कम उम्र के दिख रहे बंदियों से उन्होंने उम्र और केस की जानकारी ली। महिला वार्ड में बच्चों को दिए जाने वाले पोषाहार की भी जानकारी ली।

बंदियों को दी जा रही वोकेशनल ट्रेनिंग की भी ली जानकारी : जेल अस्पताल का भी निरीक्षण किया। वहां उपस्थित डॉक्टर से बंदियों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। जेल में बंदियों को दी जा रही वोकेशनल ट्रेनिंग के संबंध में भी

जानकारी ली। इसके साथ ही जेल के विधिक सहायता केंद्र, वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष एवं ई-मुलाकात सेवा कक्ष का भी निरीक्षण किया। रांची की होटवार जेल में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। सभी विचाराधीन बंदियों को उनके अधिकार की जानकारी दी

मौके पर ये थे उपस्थित : इस अवसर पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी चंदन, अवर सचिव झालसा अभिषेक कुमार, रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रभारी सचिव राकेश रंजन, एआईजी जेल हमीद अख्तर एवं बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार के कर्मचारी और चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सदस्य उपस्थित थे।

स्नेहा की जिंदगी बचाने के लिए भटक रहा पिता



JAMSHEDPUR: मानगो की 5 वर्षीय स्नेहा, जिसके पिता राहल इडली बेचते हैं, अपनी बेटी का इलाज कराने के लिए दर-दर भटक रहे हैं। आठ माह पूर्व स्नेहा की आंख में गंभीर चोट लग गई थी। पूरे आठ महीने तक राज्य के

कराया। पिता ने बताया कि डाक्टरों के अनुसार, बच्ची की एक आंख पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। उसे निकालना पड़ेगा, वह भी जल्दी नहीं निकाला गया तो दिमाग का नस सुख जाएगा, जिससे बच्ची पूरी तरह दृष्टिहीन (अंधी) हो जाएगी। मदद करने के इच्छुक 9334141644 पर

आनंद मार्ग के शिविर में 25 ने किया रक्तदान



ओर से रविवार को 3 घंटे का शिविर लगाया गया, जिसमें 25 यूनिट रक्तदान सभी रक्तदाता को पौधा देकर सम्मानित किया इस मौके पर समीर सरकार,राकेश कुमार,

गेल के उपमहाप्रबंधक

गेल ने दिव्यांग मतदाताओं को दिए 101 व्हीलचेयर

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले में शहरी गैस वितरण रही गेल ने दिव्यांग मतदाताओं के लिए 101 व्हीलचेयर दिया है। उपायुक्त अनन्य मित्तल को



गुरुनानक नगर में खुला कुशवाहा छात्रावास

JAMSHEDPUR: साकची के गुरुनानक नगर स्थित कुश भवन में कुशवाहा छात्रावास खोला गया है, जिसका उद्घाटन रविवार को राजकीय



निर्माण की प्रक्रिया और इसके

श्याम किशोर सिंह (सभी ट्रस्टी) ने सभा को संबोधित किया।

राउरकेला-कोलकाता विमान सेवा रह

ROURKELA: राउरकेला-कोलकाता के बीच विमानसेवा में चालीस दिनों बाद फिर से एक बार समस्या आयी है। शनिवार को कोलकाता से राउरकेला के लिए आनेवाली फ्लाइट को कैंसिल कर दिया गया। वह भी तब जब यात्री चेक इन कर चुके थे। तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए फ्लाइट को कैंसिल किया गया जिससे यात्रियों को काफी समस्या का सामना करना पड़ा।

उदितनगर बाजार में लगी आग

ROURKELA: गर्मी से उदितनगर स्थित पानी मार्केट कॉम्प्लेक्स के पीछे



बिजली के जंक्शन बॉक्स में धमाके के साथ आग लग मौके पर लोगों में अफरा-तफरी मच गयी, तत्काल स्थानीय लोगों ने ब्रिगेड बुलाया,साथ ही बिजली विभाग भी पहुंच कर मरम्मत

कार्य में ज़ट गए। आग लगने से कुछ ज्यादा नुकसान नहीं हुआ क्योंकि समय रहते लोगों की नजर पड़ गयी थी।

तख्त साहिब में कार सेवा के लिए हुई अरदास

JAMSHEDPUR: तख्त साहिब में पटियाला वाले संत बाबा अमरीक सिंह की ओर से एक सौ कमरों के सराय बाबा जोरावर सिंह बाबा फतेह सिंह यात्री निवास के निर्माण कार्य जत्थेदार ज्ञानी बलदेव सिंह ने अरदास कर आरंभ की। अरदास में मुख्य ग्रंथी ज्ञानी दिलीप सिंह, परशुराम सिंह, गुरदयाल सिंह के साथ पंच प्यारों की उपस्थिति के साथ प्रबंधक कमेटी के महासचिव इंद्रजीत सिंह, प्रवक्ता सदीप सिंह, प्रबंधक हरजीत सिंह, कार सेवा दिल्ली वाले के बाबा गुरनाम सिंह, कार सेवा संत बाबा कश्मीर सिंह भूरीवाले के बाबा गुरविंदर सिंह, सतोख सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

सिंहभूम के 14 उम्मीदवारों का भाग्य आज ईवीएम में हो जाएगा बंद, मतदान कर्मी रवाना

भाजपा की गीता कोड़ा व झामुमो की जोबा मांझी में कांटे की टक्कर काशी साहू कॉलेज में बने डिस्पैच सेंटर से निकलीं टीमें

लोकसभा चुनाव के चौथे और झारखंड के पहले चरण का मतदान 13 मई सोमवार को होना जा रहा है, जिसमें सिंहभम के 14 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में

सिंहभूम के 14,47,562 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस बार सिंहभूम संसदीय क्षेत्र से पहली बार दो महिलाओं में मुख्य मुकाबला होने जा रहा है। इसमें सिंहभूम की सांसद गीता कोड़ा भाजपा के टिकट पर दूसरी बार संसद जाने की तैयारी में हैं, जबिक झामुमो की मनोहरपुर से विधायक जोबा मांझी पहली बार संसदीय चनाव लड रही हैं। दोनों उम्मीदवारों के पक्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहल गांधी चाईबासा में जनसभा कर चुके हैं।

श्री राम पादुका आश्रम हुआ

श्रीसीता राम कल्याणम

JAMSHEDPUR: कदमा स्थित श्री राम पादुका आश्रम में श्री सीता कल्याण महोत्सव का आयोजन किया गया। विवाह अनुष्ठान सुबह उंचवर्ती का आयोजन किया गया. जिसमें महिला श्रद्धालुओं ने पवित्र पात्र में चावल दाल चढ़ाकर भक्ति गीत गाते हुए श्री राम पादुका आश्रम की परिक्रमा की। इसके बाद सदस्यों ने भजन के साथ कल्याण महोत्सव की शुरूआत हुई। आश्रम के मुख्य पुजारी अरुण मिश्रा द्वारा गायन के माध्यम से विवाह से संबंधित सभी रस्में

श्रीराम, सीता माता और श्रीहनुमान की महाआरती की गई। प्रबंध समिति के सदस्यों द्वारा सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इससे पहले श्री राम पादुका आश्रम में भी पुजा-अर्चना के माध्यम से श्री शंकर जन्मोत्सव मनाया गया।



गठबंधन दोनों ने अपनी ताकत झोंक दी है। शनिवार को प्रचार थमने के बाद दोनों उम्मीदवारों के समर्थक व राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर अपने प्रत्याशी के लिए वोट मांग रहे हैं। देखने वाली बात है कि 4 जुन को ईवीएम के पिटारे से किसके भाग्य का सितारा चमकेगा। चुनाव मैदान में खडे सभी उम्मीदवार अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। प्रचार

भाजपा नेताओं ने घर-घर जाकर

बतार्ड मोदी सरकार की उपलब्धि

लोगों तक पार्टी का संदेश पहुंचाते कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR:

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा

नेताओं व कार्यकताओं का

जनसंपर्क अभियान तेज हो गया

है। जमशेदपुर लोकसभा अंतर्गत

विभिन्न क्षेत्रों में भाजपा कार्यकर्ता

लगातार जनसंपर्क के माध्यम से

सांसद सह भाजपा प्रत्याशी बिद्युत

बरण महतो को समर्थन देने की

अपील कर रहे हैं। रविवार को

जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा

अंतर्गत गोलमुरी, सीतारामडेरा

समेत अन्य मंडल क्षेत्रों में भाजपा



में 13 मई को ही खुटी लोकसभा चुनाव के लिए भी मतदान होगा। यहां एक बार फिर जमशेदपुर निवासी केंद्रीय जनजातीय व कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा के सामने कालीचरण मुंडा आमने-सामने हैं। अर्जुन मुंडा भाजपा के टिकट पर दूसरी बॉर खूंटी से भाग्य आजमा रहे हैं, तों कांग्रेस ने भी उनके सामने दूसरी बार कालीचरण मुंडा को मैदान में उतारा है। खूंटी में इस बार कुल सात प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। जनजातीय बहुल खूंटी लोकसभा क्षेत्र में भी इस बार भी रोंचक मुकाबला होने की उम्मीद है। इस बार खूंटी के 13,26, 138 मतदाता अपनी पसंद के उम्मीदवार के पक्ष में सोमवार को मतदान करेंगे।

कार्यकताओं ने सुबह-शाम सघन

जनसंपर्क अभियान चलाया। इस

दौरान गोलमुरी मंडल क्षेत्र अंतर्गत

विजय नगर, टाटा लाइन, न्यू टाटा

लाइन, रामदेव बागान, देबुन

बागान एवं सीतारामडेरा मंडल के

कल्याण नगर, मुंडारी बस्ती, कान्हू

भट्टा, आदर्श नगर समेत अन्य

क्षेत्रों में पदयात्रा कर बुजुर्ग, युवा,

महिलाओं, छात्राओं, दुकानदारों,

मजदूरों के साथ समाज के अन्य

वर्गों से मुलाकात की। भाजपा के





किया गया। इसके पश्चात पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया।

अलग काउंटर बनाए गए थे, जहां संबंधित बुथों के कर्मियों को मतदान सामग्री उपलब्ध कराई गई। इसके बाद उसका मिलान किया गया। प्रतिनियक्त कर्मी सबह 6 बजे ही केंद्र पर पहुंच गए थे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी उपायुक्त रविशंकर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक, मनीष टोप्पो एवं

काशी नाथ साहू कॉलेज, सरायकेला

के परिसर में विधानसभावार अलग-

PHOTON NEWS SARAIKELA:

कुल ७१३ बूथों के लिए पोलिंग पार्टी हुई रवाना

काशी साहू कॉलेज में संबंधित विधानसभा के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए गए थे. जहां कई तरह के कागजी प्रक्रिया के पश्चात उन्हें मतदान सामग्री देकर अपने-अपने बुथों के लिये रवाना कर दिया गया। पोलिंग पार्टी के साथ सेक्टर पदाधिकारी



व पुलिस बल को भी टैग किया गया था। आज 713 पोलिंग पार्टियां, 106 माइक्रो ऑब्जर्वर , 78 सेक्टर मैजिस्ट्रेट एवं इसके अतिरिक्त रिजर्व पर्सनल को भी रवाना किया गया। इसी तरह 713 मतदान केंद्र के लिए कुल 2852 मतदान कर्मी को रवाना किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने उन्हें कई बिंदुओं पर ब्रीफ किया। इस दौरान उपायुक्त ने मतदान केंद्र के लिए रवाना हो रहे मतदान दल के कई सदस्यों से वार्ता की तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राप्त दिशा निर्देश के आलोक में अपने कर्तव्य का निर्वहन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

विधानसभा के सहायक निवार्ची कार्य शुरू हुआ। मतदान दल के सुनिश्चित की गई थी।

परिसर में हेल्प डेस्क, चिकित्सा पदाधिकारी की देखरेख में वितरण सेंटर सहित अन्य व्यवस्थाएं

पीएम नरेंद्र मोदी १९ को आएंगे घाटशिला

GHATSHILA: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 मई को घाटशिला आएंगे। यहां वे जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी बिद्यत बरण महतो के लिए जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की जानकारी देते हुए भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने बताया कि पीएमओ से मिली जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री का कार्यक्रम कुल एक घंटे का है। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, पीएम का हेलीकाप्टर पूर्वाहन 11 बजे घाटशिला उतरेगा। लगभग 50 मिनट तक वे मउभंडार में मौजूद रहेंगे। सभा को संबोधित करने के बाद वे हेलीकाप्टर से ही रवाना हो जाएंगे। बतौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का घाटशिला अनुमंडल में यह पहला दौरा है। इससे पूर्व वर्ष 1988 में तत्कालीन प्रधानमंत्री

पंखे से लटकता मिला पटाखा कारोबारी का शव, जांच शुरू

• शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया एमजीएम मेडिकल कॉलेज, परिवार व समाज में शोक

PHOTON NEWS JSR:

जुगसलाई थाना अंतर्गत बाटा चौक निवासी पटाखा कारोबारी लोचन मंगोतिया (36) की मौत हो गई है। लोचन का शव आवासीय कार्यालय में ही पंखे से लटका पाया गया। रविवार सुबह परिजनों को घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई। इधर, सूचना पाकर जुगसलाई थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया। लोचन मंगोटिया पटाखा के

बाजार पर ही उनके पटाखे की दुकान



अनुसार लोचन मंगोतिया सुबह 7 बजे उठे और निवास स्थान पर ही बने कार्यालय में चले गए। परिजन जब उन्हें तलाशते हुए कमरे में पहुंचे तो पाया कि लोचन मंगोतिया का शव फंदे से लटका हुआ है। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। लोचन की मौत केबारे में परिजन कुछ नहीं बता पा रहे हैं। इधर, घटना के बाद कारोबार जगत में शोक की लहर फैल गई है। उनके आवास पर कारोबारियों का तांता लगा हुआ

मातृ दिवस के अवसर पर हुलास के काव्य सम्मेलन में व्यक्त हुई भावनाएं संस्कार भारती जमशेदपुर महानगर इकाई की सभा में डॉ. रागिनी भूषण अध्यक्ष व अरुणा भूषण मंत्री बनीं

तुलसी भवन के चित्रकूट कक्ष में आयोजित हुआ कार्यक्रम

PHOTON NEWS JSR:

ललितकलाओं के समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती जमशेदपर महानगर इकाई की साधारण सभा रविवार को तुलसी भवन के चित्रकूट कक्ष में आयोजित हुई। इसमें महानगर इकाई का गठन किया गया। डॉ. रागिनी भूषण अध्यक्ष व अरूणा भूषण मंत्री बनीं। पर्यवेक्षक के रूप में संस्कार भारती झारखंड प्रांत के नाट्य विधा संयोजक राकेश रमण एवं राष्टीय स्वयं सेवक संघ जमशेदपुर महानगर के सह संघचालक भास्कर जोशी शामिल हुए। मौके पर अध्यक्ष डॉ. रागिनी भूषण ने स्वागत वक्तव्य के माध्यम से इकाई द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी।



बैठक में मौजूद संस्कार मारती के पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

नर्ड कार्य समिति : सत्र 2024- 2027

ः डॉ. रागिनी भूषण : अरुणा भूषण कोषाध्यक्ष : अरुणा झा

कार्यकारिणी सदस्य: शकुंतला पाठक, डॉ मुदिता चंद्रा, डॉ जूही समर्पिता, नीलाम्बर चौधरी, पंकज कुमार झा, श्रीसुधा सिंह दीप, डॉ.लक्ष्मी झा, डोरिस दास, पूरबी घोष, सुभ्राश्री सेन राय, लक्ष्मी सिंह। आमंत्रित सदस्य- विजय भूषण (विभाग प्रमुख, कोल्हान), अनिता सिंह (प्रांतीय नाटय सह संयोजक)।

मां संवेदना है, मां अधिकार है, मां स्नेह, दुलार, जीवन का आधार है

मात दिवस पर रविवार को शहर

की साहित्यिक संस्था हुलास ने कदमा स्थित विद्यापति टावर में काव्य सम्मेलन का आयोजन किया। काव्य गोष्ठी की शरूआत मां शारदे की पूजा व वंदना से हुई। कार्यक्रम में कवियों-कवियत्रियों ने जो पंक्तियां सुनाईं, वह इस प्रकार थीं। 'तुलसी जैसी पावनी, मां पीपल की छांव', 'गंगा जैसी निर्मला, ममता की है गांव'- डॉ. संध्या सिन्हा, 'मेरे गीतों में, तू, मेरे ख्वाबों में त! इक हकीकत भी हो और किताबों में तू!!'

'तु ही तु है मेरी जिन्दगी, क्या करूं। मां तेरी बंदगी-श्यामल सुमन, 'हर पल ही तुम खुशी की, तलाश में रहो। दिल अपना कह रहा है, कि



कार्यक्रम में कविता पाट करने वाले कवि 🛭 फोटोन न्यूज

हुलास में रहो।।' - दीपक वर्मा, 'जिस घर में मां की बसर नहीं। वो घर असल में है घर नहीं।।'-विजय नारायण सिंह, 'अब गरीबों के लिए सोच कहाँ पाते हैं? लोग खद को संभालने में ही थक जाते हैं ॥'-जय प्रकाश पांडेय, 'अंश हं मैं मां तेरा', बिल्कुल ही हूं तेरे जैसा ! 'अजय' हूं 'अजय' ही

रहुंगा, 'मां तेरे सोच जैसा'!! -अजय मस्कान, 'मां जीवन है, मां स्नेह हैं! मां प्यार है, मां दुलार है!!'- हरिकिशन चावला।। इस कार्यक्रम में हुलास परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। काव्य गोष्टी का संचालन दीपक वर्मा और

धन्यवाद ज्ञापन अजय मस्कान ने

ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के बीरमित्रपुर में बीजद नेता ने सीधे पीएम पर साधा निशाना

मोदी भाषणवीर, नौकरी नहीं दी, महंगाई बढ़ाई : वीके पांडियन

PHOTON NEWS ROURKELA: नवीन ओडिशा के अध्यक्ष तथा बीजद नेता वीके पांडियन ने शनिवार को बीरमित्रपुर से 10 किलोमीटर दूर रामपाल चौक पर रविवार को जनसभा को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विकास की गारंटी केवल नवीन पटनायक की सरकार ही दे सकती है। वे पिछले 25 वर्षो से मुख्यमंत्री बने हुए हैं। वे जो कहते

हैं, वह करते हैं। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण दिया है। 80 लाख महिलाओं का सशक्तीकरण किया। अब राज्य सरकार एसएचजी ग्रुप को भत्ता भी देती है। उन्होंने कहा कि पुनः राज्य में बीजद की सरकार बनेगी तथा नवीन पटनायक लगातार छठवीं बार मुख्यमंत्री बनेंगे।



पार्टी के कार्यक्रम में मंच पर मौजूद पांडियन 🛭 फोटोन न्यूज

भाजपा का राज्य में सरकार बनाने का दावा करना, दिन में सपना देखने के समान है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने प्रत्येक वर्ष दो करोड़ नौकरी देने को कहा था, लेकिन वह केवल कोरा वादा निकला। महंगाई कम करने में भी केंद्र की मोदी सरकार विफल रही है। वीके पांडियन ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास मुख्यमंत्री बनाने के लिए भी कोई चेहरा नहीं है। इसके साथ ही सांसद जुएल ओराम तथा विधायक शंकर ओराम पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इन दोनों ने बीरमित्रपुर के विकास के लिए कोई काम नहीं किया है। उनका विकास केवल आश्वासन देने

सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल व मेडिकल कालेज बनाने का वादा केंद्र सरकार ने अभी तक पूरा नहीं किया है। पांडियन ने कहा कि बीजद की पुनः सरकार बनने से 100 युनिट बिजली फ्री दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार द्वारा शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में की गयी सुविधा की भी जानकारी दी। इस जनसभा को सुंदरगढ़ लोकसभा प्रत्याशी दिलीप तिर्की और बीरमित्रपुर विधायक प्रत्याशी रोहित जोसेफ तिर्की ने भी संबोधित किया। अन्य वक्ताओं में पूर्व विधायक जॉर्ज तिर्की, कुआरमुंडा ब्लॉक अध्यक्ष ज्योति केरकेट्टा, उप-नगरपाल निवेदिता बागे, जिला परिषद सदस्य राजेंद्र कुजूर समेत अन्य बीजद नेता शामिल थे।

सुंदरगढ़ लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार तेज

RAJGANGPUR: सुंदरगढ़ लोकसभा क्षेत्र में मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, सभी पार्टियों ने प्रचार तेज कर दिया है। भाजपा की ओर से जुएल ओराम मोटरसाइकल रैली तथा रोड शो कर चुके हैं, जबकि बीजद की ओर से वरिष्ठ नेता मंगला किसान अपने बेटे अरुण बरुआ के लिए मैदान में उतर चुके हैं। सांसद प्रत्याशी दिलीप तिर्की भी कई बार राजगांगपुर विधानसभा का दौरा कर विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान कर अपने तथा अनिल बरुआ के लिए वोट मांग चुके हैं।

कांग्रेस का सारा दारोमदार यहां के प्रत्याशी राजगांगपुर विधायक डा राजन एक्का के कंधों पर है। उन्होंने अपने प्रचार को जोरदार बनाते हुए रविवार को मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया था। यह रैली बीज पटनायक चौक से ओसिएल मार्केट, मधुसूदन कॉलोनी, कुम्हारपाड़ा होते हुए वार्ड नं 1 स्थित बाबा तालाब पहुंची, जहां उन्होंने एक सभा को संबोधित किया। रास्ते में राठौड़ कॉलोनी स्थित काली मंदिर तथा वार्ड नं 5 स्थित गुरुद्वारा में पूजा-अर्चना की।



राजगंगपुर में प्रचार करते कांग्रेस विधायक डॉ. राजन एक्का

शनिवार को राजगांगपुर ब्लॉक से प्रचार की शुरूआत करते हुए सागजोर बुचकू पाड़ा सिलीकुदार का दौरा किया। इसके साथ ही कुतरा ब्लॉक के गोमरडीह सहित अन्य पंचायतों का दौरा कर अपने पक्ष में वोट मांगे। प्रचार के दौरान जहां गत पांच वर्षों में जनता के लिए जनहितकारी कार्यों को गिना रहे हैं, वहीं भाजपा तथा बीजद को एक ही सिक्के के दो पहलू बता रहे हैं। राजगांगपुर, कलुंगा तथा कांसबहाल स्टेशन पर जनता की मांग पर आवश्यक ट्रेनों के स्टॉपेज का वादा करके भी पूरा नहीं किए जाने की बात भी कह

अच्छी बारिश के लिए बालीगुमा में हुई सरहुल पूजा



JAMSHEDPUR : बालीगुमा-गोकुलनगर सरहुल कमेटी की ओर से रविवार को मानगो के बालीगुमा में सरहुल पूजा की गई, जिसमें अच्छी बारिश की कामना की गई। इस मौके पर ग्रामीणों ने पारंपरिक रूप से पूजा-अर्चना कर पौधे भी लगाए।

लाया (पुजारी) शरत महतो ने गांव को रोग मुक्त रखने की कामना की, जिसके लिए ग्रामीणों ने ग्राम देवता मुर्गा और बकरे की बलि दी। पूजा स्थल पर दिलीप कुमार महतो, सीताराम महतो, जगदीश महतो, अनिल महतो, कृष्णा महतो, सुभाष महतो आदि भी उपस्थित थे।

एक रूप में भगवान श्री गणेश

स्वस्तिकरूप तथा प्रणवं स्वरूप हैं। अनके अनत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विध्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष,

उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश,

भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाट अथवा श्रवण करने से

विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश

तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विध्न

नहीं होता है।



भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मी से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के

भगवान

से ऊपर उढकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही हैं– योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मिलनता से बच जाते हैं, वस्तुत दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अत-हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।



मनुष्य पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते हैं, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में हवन करने का क्या कारण है?

का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं वलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं

किया जा सकता। हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व बिल्क एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को वे तत्त्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्त्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्त्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल महत्त्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं है। पृथ्वी तत्त्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने

जब जल तत्त्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्तुव को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फ़ेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्त्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता गणपति का आशीर्वाद. भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे ऋमश

पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समम्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनर्के अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विध्ननाशंक, विनायक, धूमककेत्, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विध्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरुषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस ऑकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की

उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विध्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्त् कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरें में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विध्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापित विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पितयां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पूराण के क्रिंडा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भूजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूड़ रहते हैं। उनके दो हाँथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नम- है।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः, ऊँ हीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः ऊँ श्रीं हीं क्लीं हीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी-देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खालीं नहीं होगा और सदा धन से

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।। मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र



अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सिक्रय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं-

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई। भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप
- में उनके साथ अवतरित हुई। भगवान शिव शंकर के छित्रमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप
- में उनके साथ अवतरित हुई। भगवान शिव शंकर के ध्लमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई। भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके
- साथ अवतरित हुई। भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।



चुनाव के दौरान रंग भेद की राजनीति



सुरेश हिंदुस्थानी कांग्रेस अपनी कमियों को छिपाने के लिए भले ही भाजपा पर आरोप लगाने की राजनीति करे, लेकिन सत्य यह है कि इसके लिए कांग्रेस की कुछ नीतियां और वर्तमान में नेतृत्व की खामियां भी बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। बयानों की राजनीति के बीच कांग्रेस एक बार फिर बैकफुट पर है। सैम पित्रोदा के बयान पर कांग्रेसी नेता सफाई भी देने की स्थिति में नहीं है। ऐसे बयान भारत को शक्तिशाली बनाने से रोकते हैं। इसलिए यह आज की आवश्यकता है कि भारत को शक्ति संपन्न बनाने की राजनीति की जाए।

कसभा चुनाव के दौरान राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की मीमांसा की जा रही है। इसके तारतम्य यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं, जो कभी सफल नहीं होने चाहिए। भारत में जिस प्रकार से सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किये गए, जिसके कारण समाज के कई हिस्से अलग अलग दुकान खोलकर बैठ गए और इसकी आज की राजनीति ने इसे मुंह मांगा इनाम भी दिया। जिसके कारण भारतीय समाज के बीच जो विविधता की एकता को दशानें वाली परंपरा रही, उसकी जड़ों में मट्टा डालने का अनवरत प्रयास किया गया। यह सभी जानते हैं कि जिस देश का समाज कम से कम राष्ट्रीय मामलों पर एक स्वर व्यक्त करता है, वहां किसी भी प्रकार की सामाजिक बिखराव के प्रयास धूमिल ही होते है। लेकिन कुछ राजनीतिक दलों को यह सामाजिक एकता अच्छी नहीं लगती, इसलिए वह अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाते हुए ही अपनी राजनीति करते हैं। ऐसे लोगों को भारत की सांस्कृतिक एकता खटकती है। ऐसे लोग कुत्सित राजनीति के माध्यम से भारत की जनता के मानस में ऐसे बीज बोने का ही काम करते हैं, जो प्रथम दृष्टया विभाजनकारी ही कहे जा सकते हैं। ऐसे बयानों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। क्योंकि यह विचार देश का भला नहीं कर सकता। अगर ऐसा विचार लेकर कोई राजनीतिक दल राजनीति करता है तो उसकी प्रासंगिकता पर भी सवाल हो सकते हैं। राजनीतिक दलों ने अपना स्वार्थ साधने के लिए पर्व और पश्चिम को अलग पहचान के रूप में प्रचारित करने में जोर लगाया, तो वहीं उत्तर और दक्षिण के लोगों के मन में नफरत की दरार को और ज्यादा चौड़ा किया। जबकि हमारे देश के नायकों ने एक भारत के रूप में स्वतंत्रता प्राप्त की। आज की राजनीति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि उनके सपनों को पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास नहीं किया जा रहा। इसी कारण कहीं जातिवाद को हवा दी रही है तो कहीं तुष्टिकरण का प्रयास किया जा रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हमारे राजनीतिक दल



समाज का तो भला होगा ही, देश भी मजबूत होगा वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अस्तित्व बरकरार रखने के जिस प्रकार का परिश्रम किया जा रहा है, वह निसंदेह आवश्यक भी था, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पिछले दो चुनावों की तरह इस बार भी पार्टी के इस अभियान को पलीता लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल विदेशी अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उसे अनजाने में दिया बयान समझकर खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि सैम पित्रोदा कांग्रेस नेताओं के बहुत खास रहे हैं। यहां तक कि राहुल

समाज को एक करने की दिशा में कदम उठाएं। इससे

गांधी के विदेशी दौरे भी यही प्रबंधित करते हैं। सैम पित्रोंदा ने जो बयान दिया है, उससे भारत की कांग्रेस ने भले ही किनारा कर लिया हो, लेकिन विदेशों में सैम पित्रोदा भारत को किस रूप में प्रस्तुत करते होंगे, इस बात का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। सैम पित्रोदा के बयान का आशय यह भी निकाला जा सकता है कि वे भारत को एक देश के रूप में नहीं देख सकते। उनकी नजरों में शायद भारत की चारों दिशाओं में अलग अलग देश दिखाई देते हैं। कुछ ऐसे ही बयानों के कारण कांग्रेस अपने अस्तित्व से जुझ रही है। कुछ इसी प्रकार के बयान कांग्रेस के अन्य नेता भी देते रहे हैं। एक बार मैंने अपने एक लेख में लिखा था, जिसका उल्लेख अन्य लेखक भी कर चुके हैं कि कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते करते अनजाने में देश का विरोध करने लगती है। हालांकि कांग्रेस नेताओं का आशय देश विरोध का नहीं होगा, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस के नेता ऐसे बयान देते ही क्यों हैं, जिसका एक अर्थ ऐसा भी निकलता है, जिससे देश का विरोध होने का संकेत मिलता है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा कांग्रेस के लिए कोई छोटा नाम नहीं है। वे कांग्रेस के मुख्य कर्ता धताओं में गिने जाते हैं। हालांकि चुनाव में उनके बयान का विपरीत प्रभाव न हो, इसलिए सैम पित्रोदा का इस्तीफा देना एक राजनीतिक कदम भी हो सकता है। अगर सैम पित्रोदा का इस्तीफा लेना ही था तो उनके पहले दिए बयानों पर भी तो लिया जा सकता था। लेकिन कांग्रेस

इससे कांग्रेस की सोच का पता चलता है और बैठे ठाले ही कांग्रेस ने भाजपा को एक और मुद्दा दे दिया। सैम पित्रोदा के बयान ने कांग्रेस की एक बार फिर से फजीहत करा दी। राहुल गांधी के इर्द गिर्द राजनीति करने वाले कांग्रेस के बड़े नेताओं के पलायन करने के बाद भी अगर शीर्ष नेतृत्व इस बात से अनभिज्ञ है कि कांग्रेस की ऐसी दुर्दशा क्यों हो रही है? तो स्वाभाविक ही है कांग्रेस को अपनी पिछली दो शर्मनाक पराजय का बोध भी नहीं हो सकता। अभी तक के राजनीतिक इतिहास में अपने सबसे बड़े दुर्दिनों का सामना कर रही कांग्रेस पार्टी समुहों में विभाजित होकर अवनित के मार्ग पर बेलगाम बढ़ती जा रही है। यह समस्याएं उसकी खुद की देन हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में कांग्रेस की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसके पीछे बहुत सारे कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि आज की कांग्रेस में स्पष्ट दिशा और स्पष्ट नीति का अभाव सा पैदा हो गया है। उसके जिम्मेदार नेताओं को यह भी नहीं पता कि कौन से मुद्दे पर राजनीति की जानी चाहिए और किस पर नहीं। इसी कारण कांग्रेस का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है, वह अविश्वसनीयता के घेरे में समाता जा रहा है। यह स्थिति जहां एक ओर कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व के प्रति अनास्था की धारणा को जन्म देने वाला कहा जा सकता है, वहीं यह भी प्रदर्शित कर रहा है कि राहुल गांधी युवाओं को आकर्षित करने में असफल साबित हुए हैं। इसमें उनकी अनियंत्रित बयानबाजी भी कारण है। हम जानते हैं कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार नहीं, बल्कि कई बार झुठे बयान दिए हैं, जिसमें वे माफी भी मांग चुके हैं। यह बात सही है कि झूठ के सहारे आम जनता को भ्रमित किया जा सकता है, लेकिन जब सत्य सामने आता है, तब उसकी कलई खुल जाती है। सबसे बड़ी विसंगति तो तब बनती है, जब अपने नेता के बयान को कांग्रेस के अन्य नेता समर्थन करने वाले अंदाज में निरर्थक रूप से पुष्ट करने का असफल प्रयास करते हैं। ऐसे प्रयासों से भले ही यह भ्रम पाल ले कि उसने केन्द्र सरकार को घेर लिया, लेकिन वास्तविकता यही है कि इसके भंवर में वह स्वयं ही फंसी

कांग्रेस अपनी किमयों को छिपाने के लिए भले ही भाजपा पर आरोप लगाने की राजनीति करे, लेकिन सत्य यह है कि इसके लिए कांग्रेस की कुछ नीतियां और वर्तमान में नेतृत्व की खामियां भी बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। बयानों की राजनीति के बीच कांग्रेस एक बार फिर बैकफुट पर है। सैम पित्रोदा के बयान पर कांग्रेसी नेता सफाई भी देने की स्थिति में नहीं है। ऐसे बयान भारत को शक्तिशाली बनाने से रोकते हैं। इसलिए यह आज की आवश्यकता है कि भारत को शक्ति संपन्न बनाने की राजनीति की जाए।

संपादकीय

भ्रामक प्रचार से बाज आना चाहिए

देश में हिंदुओं की आबादी में कमी आ रही है। धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारीः राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण (1950-2015) दस्तावेज में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने खुलासा किया है।इसमें हिन्दू आबादी के 7.82 फीसद कम होने के साथ मुसलमानों की 43.15 फीसद बढ़े की बात की गई है। सिखों की आबादी 1.24 फीसद से बढकर 1.85 फीसद तथा इसाइयों की 2.24 फीसद से बढ कर 2.36 फीसद हो गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार बौद्ध भी बढ़े हैं, जबिक जैन व पारिसयों की संख्या घटी है।यूं तो जनसंख्या के आंकड़े जनगणना के माध्यम से आते हैं। जो 2011 के बाद से नहीं हो सकी है। जनगणना 2021 में प्रस्तावित थी, जो करोना महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। इस अध्ययन में बहुसंख्यक व अल्पसंख्यक आबादी में आए उतार-चढाव के अंतरराष्ट्रीय रुझान का पता लगाने के लिए 167 देश शामिल थे, जिसके मुताबिक भारतीय उपमहाद्वीप में मुस्लिम आबादी की बढ़ोत्तरी सबसे ज्यादा हुई।जबिक बांग्लादेश में 10 फीसद व पाकिस्तान में 10 फीसद मुसलमानों की आबादी में बढ़त देखी गई। देश में मौजूदा वक्त में लोक सभा चुनाव चल रहे हैं, जिसमें सत्ताधारी दल पहले ही धार्मिक आधार पर बयानबाजियां करने और समाज में दरारें पैदा करने में हिचक नहीं रहा है। ऐसे में इस रिपोर्ट का प्रचार खास समुदाय को निशाना बनाने में सहायक साबित हो सकता है। विपक्ष भी इसे चुनावी चाल कह आरएसएस का एजेंडा चलाने का आरोप लगा रहा है। वास्तव में हम धर्मनिरपेक्ष देश हैं, जिसमें सभी धर्मो का बराबर सम्मान किया जाना और उनके साथ सहिष्णुता बरतना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। मुसलमानों की आबादी बढ़े के कारणों में यूं तो उनकी चार शादियां, धर्मांतरण व घुसपैठ को दोषी ठहराया जा रहा है, जबकि इसके पीछे अशिक्षा व जागरूकता की कमी अधिक है।विशेष समदाय पर देश की जनसांख्यिकी बदलने के प्रयासों का आरोप मढा कर्तर्ड उचित नहीं ठहराया जा सकता। इस हकीकत को झुठलाया नहीं जा सकता कि दुनिया भर में मुसलमानों की आबादी सबसे तेजी से बढ़ रही है। बीते सौ वर्षों में वे 12.5 फीसद से बढकर 22.5 फीसद हो चुके हैं।इसलिए केवल भारत में मुसलमानों की बढ़ती जनसंख्या के लिए भ्रामक प्रचार से बाज आना चाहिए। साथ ही उन्हें जागरूक करने और सेहत संबंधी फायदों के विषय में आगाह करने के प्रयास करने

कलाकार प्रकृति का प्रेमी है अत- वह उसका दास भी है और स्वामी भी। – रवींद्रनाथ ठाकूर

मनुष्य की इच्छाओं का पेट आज तक कोई नहीं भर सका है।

– वेदव्यास

चिंतन-मनन

श्रम रहित परिश्रम

महर्षि वेदव्यास किसी नगर से गुजर रहे थे। उन्होंने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। मन में सवाल उठा- एक छोटा सा कीड़ा इतनी तेजी से क्यों भागा जा रहा है? उन्होंने कीड़े से पूछा- ऐ क्षुद्र जंतु! तुम इतनी तेजी से कहां जा रहे हो? कीड़ा बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं, यहां क्षुद्र कौन और महान कौन? क्या इनकी सही-सही परिभाषा संभव है? महर्षि सकपकाए। फिर सवाल किया- अच्छा बताओं कि तुम इतनी तेजी से कहां भागे जा रहे हो? इस पर कीडे ने कहा-अरे! मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हं। देख नहीं रहे कि पीछे कितनी तेजी से बैलगाडी चली आ

कीडे के उत्तर ने महर्षि को फिर चौंकाया। वह बोले- पर तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और अच्छा शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला- महर्षि! मैं तो कीड़े की योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, पर ऐसे प्राणी बहुत हैं जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझ कीड़े से भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। महर्षि उस नन्हे से जीव के कथन पर सोचते रहे, फिर उन्होंने उससे कहा- चलो, हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़े ने पूछा- किस तरह की सहायता? महर्षि बोले-तुम्हें उठाकर मैं आने वाली बैलगाड़ी से दूर पहुंचा देता हूं। इस पर कीड़े ने कहा- धन्यवाद! श्रम रहित पराश्रित जीवन विकास के सारे द्वार बंद कर देता है। मुझे स्वयं ही संघर्ष करने दीजिए। महर्षि को कोई जवाब न सूझा।

आखिर कथित शाहजादे का इतना खौफ क्यों है ?

श के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी चुनाव का चौथा चरण आते-आते तक एकदम अमर्यादित हो गए हैं। वे जिस जबान का इस्तेमाल अस्सी साल के बूढ़े डॉ मनमोहन सिंह के लिए करते थे उसी जबान का इस्तेमाल पचास पार के राहुल गांधी के लिए कर रहे हैं। यहां तक कि वे अब खीज कर कह रहे हैं कि - कांग्रेस के शाहजादे की पार्टी को उनकी उम्र से कम सीटें मिलेंगी। मै कहता हूँ कि राहुल गांधी को एक भी सीट न मिले किन्तु प्रधानमंत्री जी को तो अपने शब्दों के गाम्भीर्य को नहीं खोना चाहिए । मोदी जी का मुकाबला कांग्रेस से नहीं बल्कि अपने आप से होना चाहिए था । आखिर कथित शाहजादे का इतना खौफ क्यों है मोदी जी को ?

देश और दिनया देख रही है कि माननीय मोदी जी ही नहीं बल्कि उनकी पूरी टीम की बौखहेत में लगातार इजाफा हो रहा है । वे हिंदी शब्दकोश के सबसे परित्यक्त शब्दों का इस्तेमाल कर अपनी गरिमा समाप्त करने में लगे हैं । दुर्भाग्य ये है कि देश का केंद्रीय चुनाव आयोग माननीय और उनकी फौज को इस मामले में हटक नहीं सकता .अन्यथा सत्तारूढ दल के नेताओं के तमाम ब्यान ऐसे हैं. जो उन्हें चुनाव प्रचार से बाहर करने के लिए काफी हैं । लेकिन जब सैयां ही कोतवाल हो तो डर काहे का ? केंचआ मोदी जी और उनकी कम्पनी को हड़काने के बजाय पूरे विपक्ष को हड़काने में लगा है । मोदी जी और उनकी फौज शायद नहीं जानती कि सत्ता हरजाई होती है । ये किसी की नहीं होती . जनता सत्ताधीशों को रोटी की

तरह उलटती -पलटती रहती है, इसलिए सत्ता से चिपके रहने में किसी की भलाई नहीं। कांग्रेस को भी सत्ता से बाहर जाना पड़ा और एक बार नहीं ,अनेक बार । भाजपा को भी सत्ता से बाहर जाने के लिए हर समय कमर कसकर तैयार रहना चाहिए । वैसे भी भाजपा भले ही एक दशक से सत्ता में है किन्तु उसका व्यवहार विपक्षी दलों जैसा ही है। भाजपा खुद जबाबदेह न हो कर हमेशा कांग्रेस से सवाल करती है। भूल जाती है कि कांग्रेस को सत्ता से बाहर गए एक दशक हो चुका है। अब देश की दशा,दुर्दशा के लिए कांग्रेस को नहीं बल्कि भाजपा को ही कोसा जाएगा,निशाने पर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चतरा की सभा में कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 के बीच 'इंडिया' अलायंस ने अपनी हार मान ली हैं। पीएम मोदी ने बिना नाम लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा- शहजादे को उनकी उम्र से भी कम सीटें मिलेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा-ह्यतीन चरणों के चुनाव के बाद ही कांग्रेस और उसके साथियों ने एक तरह से अपनी हार स्वीकार कर ली है। तीन चरण का मतदान अभी मशीनों में कैद है किन्तु केंद्रीय गहमंत्री अपनी तीसरी आँख से देखकर कह रहें हैं की भाजपा 190 सीटें तो जीत चुकी है । जाहिर है कि दाल में काला ही काला है अन्यथा इस तरह की गैरजिम्मेदाराना बात कौन करता है ? मझे दरअसल आज मातृ दिवस पर राजनीति की राजमाताओं के बारे में लखना था ,लेकिन मोदी जी ने मुझे ऐसा नहीं करने दिया । वे उस राहल गांधी को शाहजादा कहते हैं जो एक

दशक से सत्ता से दूर है। उनकी नजर में राहुल की माँ और दादी ही नहीं बल्कि नाना भी किसी मुगलिया खानदान के हैं । मोदी जी के मन से अपनी हैसियत की दीनता जाने का नाम नहीं ले रही । वे इसीलिए लगातार राहुल-राहुल का नाम जपते रहते हैं। पूरे चुनाव अभियान में शुरू के चार दिन छोड़ दें तो सत्तारूढ़ भाजपा अपने चुनाव घोषणा पत्र और दस साल की उपलब्धियों पर बोलने के बजाय केवल और केवल कांग्रेस तथा राहुल पर केंद्रित है । कभी भाजपा को कांग्रेस का मुसलमान प्रेम खलता है तो कभी वे कांग्रेस के सत्ता में आने पर विरासत कर लगाने की बात करते हैं और जब कुछ नहीं बचता तो कांग्रेस के शुभचिंतक रहे अमरीका में रहने वाले सैम अंकल के विचारों को कांग्रेस का विचार मानकर हल्ला मचाने लगते हैं। अगर कल मतदान का चौथा चरण न होता तो तय मानिये मैं मोदी जी के मातृप्रेम के बारे में लिखता,राहुल गाँधी ,ज्योतिरादित्य सिंधिया के अलावा देश के तमाम राजनेताओं के मातृप्रेम का उल्लेख करता लेकिन मोदी जी तो अपनी माताराम के स्वर्गवास के बाद किसी की माँ को माँ मानते ही नहीं दिखाई दे रहे। वे राहुल की माँ को भी अपना राजनितिक शत्रु मानते हैं जबिक श्रीमती सोनिया गाँधी उनसे पुरानी नेता हैं । वे 1991 से देश के सबसे बड़े राजनितिक दल कांग्रेस का प्रत्यक्ष और परोक्ष नेतत्व कर रहीं हैं। मोदी जी जब अपने गुजरात के मुख्यमंत्री भी नहीं बने थे तब सोनिया गाँधी संसद में प्रतिपक्ष की नेता थीं। यानि संसदीय जीवन में भी वे माननीय मोदी से कम से कम डेढ़ दशक वरिष्ठ हैं।

बहरहाल मसला ये है कि माननीय मोदी जी अपनी जबान का कड़वापन कब दूर कर पाएंगे। उनकी जबान की कड़वाहट विपक्षी दलों के लिए ही नहीं बल्कि अपनी पार्टी के नेताओं के लिए भी हैं । खासतौर पर उन भाजपा नेताओं के लिए जो या तो उनके समक्ष हैं या उनके लिए प्रतिद्वंदी बन सकते हैं। देश में चुनाव तो होते आये हैं और आगे भी होंगे। मोदी जी लाख कोशिश कर लें किन्तु ये देश उनके सपनों का देश नहीं बन सकता । यहां का संविधान ,खानपान,भाईचारा बदलने वाला नहीं है । यहां का 20 करोड़ मुसलमान देश छोड़कर जाने वाला नहीं है। वो यही रहकर मुल्क की तरक्की में भागीदारी करेगा। हमारे बुंदेलखंड में एक कहावत है कि - कौवों के कोसने से ढोर नहीं मरा करते अर्थात मोदी जी और उनकी पार्टी देश के मुसलमानों को भले ही भारतीय न माने ,भले ही उन्हें हौवा बनाकर राजनीति करे किन्तु अब मुसलमान देश की एक हकीकत हैं उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक नहीं बनाया जा सकता। लोकसभा चुनाव के लिए शेष चार चरणों के मतदान के बाद क्या परिणाम आएंगे ये बाद की बात है ,किन्तु अभी इस बात की सख्त जरूरत है कि नेताओं को बेलगाम होने से रोका जाये। अदावत,नफरत की सियासत पर रोक लगाईं जाये अन्यथा जैसे तमाम गलतियों के लिए भाजपा आज कांग्रेस को पानी पी-पीकर कोसती है वैसे ही आने वाले कल में भाजपा को भी भाजपा को अटल बिहारी भाजपा बनाने की कोशिश होना चाहिए न की मोशा वाली भाजपा। *-राकेश अचल*

जनादेश भारत माता के चरणों में समर्पित हो



जादी मिलने के 76 साल बाद तक हमारे आ बारे में हम पर थोपी गई हमारी गलत धारणाओं के कारण कि हम एक कृषि-प्रधान समाज हैं)हमारी नीतियां, हमारे सारे प्रोत्साहन कृषि क्षेत्र को दिए गए और उसका नतीजा हमारे सामने है। आज एक ओर, भारत की विश्व व्यापार में भागीदारी 20-25 फीसदी से घटकर 1-2 फीसदी के आसपास आ गई है और दूसरी ओर, कृषि क्षेत्र में मिले ढेरों प्रोत्साहन के कारण और कारीगरी से बदखल लोगों को और कोई विकल्प न सुझाए जाने के कारण, कृषि कार्य में उसकी क्षमता से ज्यादा लोग लगे हुए हैं। जिसके कारण यह क्रमशः व्यापारिक घाटे की आजीविका रह गई है। वर्तमान में भी परिस्थिति बहत ज्यादा बदली नहीं हैं। कारीगरी क्षेत्र (बहुत सारी नई कारीगरी विधाओं के साथ अभी भी देश में कृषि के बाद सबसे बडा रोजगार प्रदायक क्षेत्र है। विभिन्न अध्ययनों के माध्यम से देश में कारीगरी पर आधारित जनसंख्या 25 से 30 करोड़ आंकी गई है। परंतु जिस तरह का आर्थिक व्यवस्था तंत्र कृषि क्षेत्र के लिए प्रदान किया जाता रहा है-विशालकाय ऋण माफी कार्यक्रम, ऋण प्रदायक तंत्र (किसान क्रेडिट कार्ड, फसल ऋण, कृषि सहकारी समितियाँ, कॉपरेटिव बैंक, व्यवसायिक और निजी बैंक, खाद एवं बीज आदि में मिलने वाली विशालकाय छूट, विभिन्न तरह की तकनीकी सहायता तंत्र) स्वतंत्र मंत्रालय, विभिन्न विभाग, कृषि विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, सरकारी

एवं गैर-सरकारी रिसर्च संस्थाएँ, देश भर में फैला कृषि

विज्ञान केन्द्रों का जाल, इत्यादि। भंडारण एवं विपणन तंत्र (समर्थन मूल्य, विपणन संघ, बोर्ड, निगम, निगम और इन सबके द्वारा संचालित ढेर सारे छूट कार्यक्रम, इत्यादि) फसल बीमा एवं इसके अलावा अनेकों व्यवस्था जनित तंत्र, बजटीय प्रावधान, इत्यादि के मुकाबले संपूर्ण कारीगरी क्षेत्र एकदम अछूता सा रह गया है। कृषि क्षेत्र के मुकाबले लगभग आधी जनसंख्या के ह्वकारीगरीह्न क्षेत्र में आश्रित रहने के बावजूद कृषि क्षेत्र में किए जा रहे सरकारी खर्च और प्रयासों की तुलना में एकदम नगण्य सा हिस्सा ही कारीगरी क्षेत्र में किया जा रहा है। जिस तरह का प्रोत्साहन एवं सहयोग-तंत्र कृषि क्षेत्र के लिए कार्य कर रहा है लगभग उतना ही, बल्कि उससे भी विशाल प्रोत्साहन एवं विस्तृत सहयोग-तंत्र देश में बड़े उद्योगों एवं समाज में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। कृषि क्षेत्र में स्थापित एक स्वतंत्र कृषि मंत्रालय की 32 ही तरह उद्योग क्षेत्र में समन्वय के लिए भी एक स्वतंत्र उद्योग मंत्रालय सरकार के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में कार्य कर रहा है। इस पूरे व्यवस्था-तंत्र के माध्यम से समाज में बड़े उद्योगों को स्थापित करने, उनके व्यवस्थित संचालन एवं समाज में औद्योगीकरण को लगातार बढ़ावा देने के लिए सक्रिय कार्य होता रहा है। पंरतु इस व्यवस्था में भी कारीगर, कारीगरी क्षेत्र और उससे संबंधित संपूर्ण कार्य हमारे मूलभूत उद्योग होने के बावजूद भी कहीं छूट गए है। कृषि और बड़े उद्योग, दोनों की तुलना में लगभग नहीं के बराबर का ध्यान, ऊर्जा, समय, खर्च और प्रयास कारीगरी के क्षेत्र की ओर किया जा रहा है। कृषि क्षेत्र में वर्तमान तरह की निर्भरता बढ़ने से पहले समाज के कारीगरी क्षेत्र में तरह-तरह का सामर्थ्य जहां-तहां सहज ही भरा पड़ा था। हम उद्योग-प्रधान देश होने के नाते न केवल कारीगरी एवं औद्योगिक कौशल के मामले में अग्रणी थे, बल्कि उससे भी बढिया हमारा व्यापारिक कौशल एवं कमाए हुए धन के बंटवारे की व्यवस्थाएँ थीं। वोट देना आज जरुरी क्यों हो गया है इसके लिए कुछ समय पहले की घटना को या राजनीति के निम्न स्तर को जानने की कोशिश करें कुछ समय पूर्व एक वीडियो बहुत तेजी

से वायरल हुई जिसे हल्के में नहीं लेना चाहिए एक विचारधारा पर चलते है राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने सावन के महीने में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मटन तैयार कर उसका सेवन किया। दोनों नेताओं के जब वीडियो वायरल हुए तो लोगों ने कहा कि इनका सावन जैसे पवित्र महीने से कोई लेना देना नहीं है। अब नवरात्रि में लालू के बेटे और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मछली का आनंद लेते हुए वीडियो शेयर किया है। जिसको लेकर सियासी विवाद शुरू हुआ । दरअसल, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया में एक वीडियो पोस्ट किया. इसमें यह देखा जा सकता है कि तेजस्वी यादव की बगल में वीआइपी नेता मुकेश सहनी बैठे थे और दोनों नेता भोजन कर रहे थे । तेजस्वी यादव बता रहे हैं कि मुकेश सहनी अपने घर से छेचढ़ा मछली बनवा कर लाए । वीडियो में तेजस्वी यादव यह कहते हुए देखे गए कि इस भुनी हुई मछली के साथ रोटी, प्याज, मिर्च और नमक भी था । इसके अलावा भीषण गर्मी में लू न लगे और चुनाव प्रचार जोरशोर से जारी रहे इसलिए भोजन के साथ सत्तू, तरबूज, बेल के शरबत के साथ मट्टा भी था ।बता दें कि अगस्त 2023 में राहुल गांधी ने लालू यादव से मटन बनाना सीखा था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और नेता राहुल गांधी ने इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया था और इसमें वो मटन की सीक्रेट रेसिपी के साथ-साथ राजनीति के गुर भी लालू यादव से सीखते नजर आ रहे थे। लालू यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती के दिल्ली स्थित आवास पर राहुल गांधी ने लालू परिवार संग न सिर्फ बिहारी मटन का स्वाद चखा था जिसको लेकर राजनीति भी गर्म हो गई थी। दरअसल, लालू यादव ने सावन के महीने में मटन खाया था, जबकि बिहार में हिंदू लोग सावन को पवित्र महीना मानते हैं और मांसाहार का सेवन नहीं करते हैं। लेकिन, लालू यादव ने न केवल मटन बनाने में राहुल गांधी की मदद की बल्कि पूरे परिवार संग इसका लुत्फ भी उठाया था। इसको लेकर उनपर खूब सियासी हमले किए गए थे।जब राहुल जी को महाशय लालू जी कुछ समझ ही नहीं रहें है तो यह रिमोट से चलने वाला होगा, इस

वीडियो में सहनी दावा कर रहे हैं कि महागठबंधन बिहार की सभी 40 सीटे जीत जायेंगे । साथ ही भोजन के बारे में बताते हुए मुकेश सहनी ये भी कहे कि वीडियो को देख काफी लोगों को मिर्ची भी लगेगी। ऐ क्या दशार्ता है देश यदि गलती से इसके कमान में गया तो बिहार तो पहले से ही माफियाओं के साथ बंधा है कहीं देश ना माफियाओं का शिकार हो जाए चुनाव प्रचार के बीच एक्स मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो को अब तक काफी लोग देख चुके हैं और इस पर काफी नकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आयी ।अब ऐसे लोगों के हाथ में भारत को सौंप देंगे तो भारत माता का शर्म से मस्तिष्क झुक जायेगा भारत जो सोने की चिड़िया है उसकी नजर विदेशों पर भी है यहाँ माइंस काफी है और काफी नेचुरल रिसोर्स है और विदेश में भी नेताओं लोग खूब जाकर बुराई करते हैं उसे भारत पर एक दबाब की राजनीती बनाने का सुनहरा अवसर मिल जायेगा अतः बचे हए चरणों में बहुत सोच समझ कर वोट करें क्योंकि इंडि गठबंधन में कम्युनिस्ट पार्टी भी है जो किसी ना किसी रूप से चीन का भला चाहती है। अतः एक अच्छे मानसिकता के साथ देश के विकास हेतु मतदान करें नहीं समझ आता है तो नोटा पर दे दीजिये ताकि एक वोट काटने के लिए दो वोट की आवश्यकता ना पड़े। सत्ता से विरोध है तो न्यूट्रल रहें लेकिन गलत लोगों को देकर मतदान और देश को बर्बाद होने का तनिक भी जोखिम ना लें अपने भारत माता को देखकर उनका आशीर्वाद लेकर वोट करें और देश के भविष्य को अच्छा करने की कोशिश करें क्योंकि देश सर्वोपिर है जहाँ भगवान श्री राम का जन्म हुआ और साधु, संतो और महात्माओं ने इसे कठिन तप से सिंचा है। अतः जनादेश हमेशा भारत माता के चरणों में समर्पित हो तभी हम देश की महत्ता को पहचान सकेंगे। भारत सोने की चिड़िया अभी भी है जरुरत है उलझलूल मुद्दे से हटकर भारत माता की जय हमेशा विश्व में गूंजे इसके लिए आवश्यक है ऐसी विचारों से दूर रहना जो देश को जोड़ने नहीं तोड़ने का काम कर रही है हमें ऐसे लोगों से दूर रहना चाहिए जो जाति व धर्म के नाम पर भारत को अलग करना चाहते हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

A parting shot by

yours seditiously
SIX years is a long time. I spent six years editing this iconic newspaper, the longest stint I have ever had. And it is time to move on. Fake narratives have become the bane of journalists who make career shifts. They either suffer them or create them to shower scorn on their former employers and colleagues as if all the good work the idealistic, anti-establishment crusade was a personal, private act of higher consciousness, and that the publication where it was all done has suddenly sunk into an irredeemable moral morass with their departure. This trend of scorched-earth exits is disgustingly opportunistic.

s the pandemic eased, the paper made a remarkable recovery. There was a 125 per cent growth from the pandemic's nadir.

All the good work in a newspaper is a team effort. None of those god's gifts to journalism can get a decent day's work done without his or her colleagues. And then, no great journalism is possible without an enlightened ownership. Without it, one or two good news reports may slip through rarely, but a sustained attempt at quality journalism calls for public-spirited owners who are committed to the organisation and the reader.

When I was a reporter, a legendary editor once killed one of my investigative reports, which could have hurt a former Prime Minister, simply because he got a phone call from the proprietor. At The Tribune, I never got such phone calls. In fact, when I look back at the hundreds of columns and editorials I have written, one instance stands out as a shining exemplar of The Tribune's traditions. At the height of the farmers' protest, a sports utility vehicle in the convoy of Union Minister of State for Home, Ajay Mishra, had mowed down four farmers — Lovepreet Singh, Nachhatar Singh, Daljeet Singh and Gurvinder Singh — and a journalist, Raman Kashyap.

The video clips that began circulating from Uttar Pradesh's Lakhimpur Kheri on October 5, 2021, made me numb with rage and repulsion. Something more than the usual had to be done. A newspaper's editorial is not its editor's personal opinion, but the organisation's point of view. Yet, I have never asked permission from the Tribune Trust to write an editorial, nor has it ever prescribed a political line.

But that day, for the only one time, I sought the Trust President Shri NN Vohra's advice because I was going to write a front-page editorial. All he said was, "make it strong". And strong it was. The Tribune sought the minister's resignation, called him a goon in a minister's guise and said he deserved to be (locked up) in the police station. The only regret, in hindsight, is that I now think it should have been headlined "Yours seditiously", which was how I signed off.

So, when I proudly proclaim the paper's stand on burning political issues, it is illogical to suggest that the strong position that the group took on the farmers' agitation was mine alone and not that of my employers or colleagues. Every editor adds value to a newspaper, no doubt, but individual effort and integrity get burnished only against the backdrop of organisational action.

It was indeed a team effort that bore fruit after the crash that the newspaper suffered during that Black Swan event — the Covid pandemic. Almost 70 per cent of The Tribune's circulation was wiped off. It was the only mainstream newspaper that was being produced from the newsroom and not from homes. The first-ever woman Chief News Editor of the paper, Nanki Hans, and her team toiled to bring out the paper. And as the pandemic eased, the paper made a remarkable recovery. There was a 125 per cent growth from the pandemic's nadir. That reminds me of R Madhavan Nair, whom many old-timers like Tarlochan Singh consider to be The Tribune's second-greatest editor after Kalinath Ray. During Nair's tenure, the paper grew by 300 per cent and became what it is today. It is indeed amusing to recall the strange coincidence that Nair and I belong to the same district in Kerala, where we did our schooling, moving on to Thiruvananthapuram for university and then to New Delhi for work.

Prioritise students' mental health over their exam results

Our education and societal structures reinforce the idea that success is easily attainable through hard work, thus normalising the blame young people get for their 'failures'.

THE harrowing words of an 18-year-old in her suicide note — "Mummy, papa I can't do JEE. So, I suicide, I am loser. I am worst daughter. Sorry mummy papa. Yahi last option he" reflect a stark reality. As school education and entrance exam results come out, we are inevitably approaching a familiar crisis of student distress, with suicide as its most devastating outcome. Once again, eyecatching posters of academic centres boasting of unprecedented success will grab the attention of students and parents alike. Driven by the conviction that tuition is indispensable, these centres contribute to what an Asian Development Bank report terms the shadow education market. The coaching industry in India currently generates revenue of Rs 58,088 crore, as reported by the Infinium Global

Research, a consultancy firm based in Pune. Projections indicate that the industry's growth will escalate significantly, reaching Rs 1,33,995 crore by 2028. The academic choices of students are frequently overlooked, shifting from the earlier medicine-engineering divide to a focus on STEM (science, technology, engineering and medicine). Parents' aspirations for the success of their children have given a boost to a system that has led to a proliferation of urban coaching centres. However, as emphasised by a report of the Joint Implementation Committee governing the IITs (Indian Institutes of Technology), this rush has created an imbalance. The report reveals that over 76 per cent of the students hail from urban areas, with few coming from state board-affiliated schools. The rise of shadow education creates divisions among students, hindering improvement in schooling as influential parents gravitate towards it. Consequently, at a societal level, it worsens social stratification.It is not advisable for traditional schooling to prioritise or emulate private coaching institutes, as this would result in catering only to a select few students while neglecting the broader student population. Such an approach can further marginalise the average student.

In India, STEM education is intensely competitive. For perspective, the prestigious IITs accept only one in 50 applicants, while Harvard admits one in 19 and Oxford one in six. Exams like the JEE and NEET are designed to be highly selective, where losing even a



single mark can drop a candidate thousands of ranks. Consequently, parents, often unwittingly, and coaching centres, with clear culpability, treat students as commodities — based on the financial resources that well-intentioned but misguided parents are willing to invest.

The results could be devastating. High school student surveys in India reveal a disturbing prevalence of suicidal thoughts, ranging from 6 per cent to 22 per cent, according to the Indian Journal of Psychiatry. Our education and societal structures reinforce the idea that success is easily attainable through hard work, thus normalising the notion that young people should shoulder the blame for their perceived 'failures'. According to the NCRB (National Crime Record Bureau), in 2020, a student committed suicide every 42 minutes in India, totalling over 34 suicides daily. Alarmingly, this grave crisis is often viewed as an individual issue, which absolves society of responsibility and overlooks systemic failures. In 2020, farmers made up 7 per cent of all suicides, highlighting an acknowledged agrarian crisis. Yet, even though students accounted for 8 per cent of suicides, society fails to recognise this as a sign of academic distress — a troubling oversight given that education is meant to prepare the next generation of nation-builders. Another study in the journal YMER underscores a grim reality: 80 per cent of students experience stress from the pressure to meet parental expectations, while 55 per cent cite parental imposition of choices as a significant stressor. These findings highlight a critical oversight

in recognising the pivotal role of parents and counselling in addressing student mental health challenges. The prevailing myth of the Indian family's unconditional support warrants scrutiny. As the fundamental social unit, the family influences the aspirations and ambitions of youth. The alarming increase in student suicides prompts us to reconsider the true nature of familial support and its potential role as a significant factor in this troubling trend. The installation of spring-loaded fans that can't bear more than 40 kg of weight and 'anti-suicide nets' in Kota hostels highlights a disturbingly shallow response to student suicides that is callous and dehumanising. Not addressing the root causes of student distress is a societal failure. Capitalising on the promise

of a brighter future, coaching centres have risen to prominence within the education sector. Yet, these establishments are increasingly perceived as confinements for the hopeful youth who enrol, where their aspirations, spirits and ambitions are stifled.Shadow education has become deeply entrenched. Policymakers must now explore methods of coexistence and seek symbiosis rather than confrontation. Forming partnerships could be instrumental in advancing social justice. The Government of India's guidelines for regulating coaching centres in 2024 must be followed by states and rigorously enforced. Since the shadow education sector operates on a business model, it should be held accountable for corporate social responsibility, including subsidising fees for economically weaker students, girls and those from rural backgrounds.

Teachers and parents must acknowledge the abundance of professional opportunities. Our culture must prioritise student mental health over exam results and impart virtues like perseverance, determination and patience in addition to academic success. In a world that can be a gruelling test, every youngster requires a strong social support system. It is crucial to instil in them the notion that suicide is never a solution, especially when systems are paradoxically designed to reject rather than select. Establishing multidisciplinary helplines for students in distress could be a crucial starting point in addressing this pressing issue.

India's remittances

Record highlights opportunities, challenges



to recognise the challenges faced by migrants. The UN report highlights the risks of financial exploitation, excessive debt due to migration costs, xenophobia and workplace abuse that continue to plague migrant communities. In the Gulf Cooperation Council states, where a

significant number of Indian migrants reside, violations



of rights persist. The Covid-19 pandemic has exacerbated the vulnerabilities of migrant workers, especially low-

skilled labourers and those in the informal sector. Loss of jobs, wage theft and a lack of social security have plunged many into deep insecurity and debt. The phenomenon of reverse internal migration signals a significant shift in labour dynamics, impacting industries reliant on migrant workers.

The report also reveals trends in international student mobility, with China and India emerging as key source countries. The changing landscape of migration necessitates concerted efforts to protect the rights and wellbeing of migrant people. Addressing issues such as labour exploitation and access to social protection, and ensuring safe and orderly migration pathways are imperative for sustainable development

and inclusive growth.

India on the cusp of a new dawn in scientific research

Without appropriate redistribution of resources, Sabka Saath, Sabka Vikas will remain an empty slogan.

THE President of India gave her assent to the Anusandhan National Research Foundation (ANRF) Act days before Azadi Ka Amrit Mahotsav concluded on August 15, 2023. The Ministry of Science and Technology has stated that the challenge is to initiate changes so that research in all domains makes a tangible impact on society and quality as well as relevance are prioritised over quantity.

The Department of Science and Technology (DST) recently approached the National Science Academy to solicit help in operationalisation of the ANRF Act and strengthening of research in universities and post-graduate colleges (run by states, the Centre and the private sector). A fortnight ago, about 40 scientists deliberated for two days in Bengaluru to identify the most pressing problems, suggest structural/strategic solutions and the role national academies can play in realising goals articulated by the Act. The detailed recommendations, many of them out-of-the-box suggestions, of the conclave would have reached the DST by now.

The idea of engaging with a national science academy goes back to the proposal for the creation of the National Research Council (NRC) after deliberations on 'Post-war Scientific Organisation of Research in India', held under the aegis of the National Institute of Sciences (the present-day INSA) in Calcutta on September 27-28, 1943.

The Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) had come into being on September 26, 1942, with University of Punjab (Lahore) don Shanti Swarup Bhatnagar being its first Director-General. The founder of the first science academy in India, Meghnad Saha, had motivated Bhatnagar to influence the colonial government to invite Nobel laureate in physiology Archibald V Hill — who was the Secretary of the Royal Society, London, and an

independent member of the British Parliament from Cambridge City — to discuss the plans proposed by Indian scientists. Besides his preeminence in several domains after World War I, Hill was also serving as a member of the Scientific Advisory Committee of the War Cabinet. Saha was aware of Hill's attempt to involve scientists in India in the war effort from his correspondence with Max Born, who had briefly worked at the Indian Institute of Science at the invitation of CV Raman during the days of anti-Semitism in Germany.

Mathematician-turned-physiologist Hill had followed the developments in India ever since he had shared a flat with Lahore-born Sohan Lal Bhatia in Cambridge in 1911; Bhatia had been sent to study medicine by his father (Rai Bahadur Hira Lal Bhatia, a noted surgeon of

Lahore). During WWI, Hill had led the 'Hill's Brigands' of young mathematicians to locate enemy planes from their sound using mathematical modelling, Bhatia had volunteered as a surgical dresser for the British Navy at that time. He completed his education in 1917, enrolled in the Indian Medical Service (IMS) and was attached to the Mahratta Light Infantry, where he won the Military Cross in September 1918. During his service in the military, Bhatia was appointed professor of physiology at Grant Medical College, Bombay, in 1920. Hill, who had shifted to study physiology in 1910, won the 1922 Nobel Prize. The duo remained in contact. When Hill arrived in India in November 1943, Bhatia had become Deputy Director General of IMS. Hill had chosen to stay in Bhatnagar's bungalow in New Delhi and his host took him around India for four months to meet other scientists. Hill submitted a report titled 'Scientific Research in India' in August



1944. He not only endorsed the creation of the NRC but also called for the strengthening of the CSIR, the establishment of its first five national laboratories and the expansion of support to the Indian Agricultural Research Institute. He advocated the deepening of the scientific basis of medical and technical education in universities, a reduction in the gap in salaries of civil servants and academicians, the institution of a fully paid overseas fellowship scheme for young persons, etc. The establishment of IITs and AIIMS-like institutions was also part of the recommendations made by Hill. He arranged for a delegation of Indian scientists to visit England and America to meet their counterparts and government functionaries in London. During an event on October 29, 1944, Hill had stated that "disaster lies ahead if India's industrial development and national welfare are not immediately attended to".

Homi Bhabha, whose doctoral thesis supervisor RH

Fowler was part of 'Hill's Brigands', had also consulted Hill while submitting his proposal in 1944 to the Tata Trust for the nucleation of the Tata Institute of Fundamental Research. It is no mere coincidence that the Tata-Birla plan for the industrialisation of India after the war, the Sargent Committee report for revamping school and higher education in India after World War II, the Bhore Committee report for improving public health, the creation of the All India Council for Technical Education and the constitution of the NR Sarkar Committee for setting up MIT-like institutions in India happened in quick succession.

Verghese Kurien, Brahm Prakash, Satish Dhawan, Har Gobind Khorana and Gurbaksh Singh had availed the overseas fellowship scheme and they returned to serve and build India after Independence. Hill's Cambridge colleague, Nobel Laureate PMS Blackett, became then PM Jawaharlal Nehru's adviser as the latter presided over he interim government before Independence.aha, who had persuaded then Congress president Subhas Chandra Bose to appoint Nehru as the chairperson of the party's National Planning Committee in 1938, agreed to become a member of the Planning Committee constituted by Nehru in 1948. Saha had successfully contested the election to the first Lok Sabha in 1952. Saha and Nehru unfortunately drifted apart later, but Saha's protégé DS Kothari continued to serve as the first Adviser to Defence Research to propel the agenda of self-reliance in the defence sector.

The National Technology Day (May 11) is a day to reiterate India's resolve to achieve vikas and atmanirbharta. The government has proposed to announce the new annual Rashtriya Vigyan Puruskars to replace the national research awards, which had been discontinued two years ago.

Monday, 13 May 2024

IRDAI approval paves way for Reliance Capital sale to IIHL



MUMBAI. The Insurance Regulatory and Development Authority of India has approved the entry of a third Indian investor, holding 26% in Reliance Nippon Life, Reliance General and Reliance Health insurance companies, a move that clears the way for IndusInd International Holdings (IIHL) to acquire Reliance Capital.

In terms of the deal approved by the IRDAI, Reliance Capital will transfer 26% equity in Reliance Nippon Life and other two insurance companies to Aasia Enterprises, an Indian entity promoted by Ashok Hinduja. After this, Reliance Capital, Nippon Life Insurance, and Aasia Enterprises LLP will be the promoters of the life company.

IIHL has acknowledged the receipt of approval from IRDAI on 10th May 2024. However, the approval is subject to certain "regulatory, statutory, and judicial" clearances/compliances. "The approval is subject to certain 'regulatory, statutory, and judicial' clearances/compliances. IIHL stands committed to working towards obtaining the same as soon as possible and aims to close this transaction by the NCLT's stipulated date of the 27th of May 2024," the company said in a statement.

IRDAI clearance is subject to approval from other regulatory bodies, a lock-in for the new investor, continuous fit and proper assessment of insurer, promoter, and investors, and a bar on the shares of the insurance company being pledged. The regulator has stated that the approval is subject to the deal being completed in three months.

IIHL, chaired by Ashok Hinduja, placed the winning bid of Rs 9661 crore for Reliance Capital in the bankruptcy process. However, the deal was held up because of the IRDAI approval. The bulk of the value of Reliance Capital lies in its 100% holding of Reliance General Insurance and 51% in Reliance Nippon Life Insurance.

Mcap of 6 of top-10 most valued firms declines by Rs

NEW DELHI. The combined market valuation of six of the top-10 most valued firms eroded by Rs 1,73,097.59 crore last week, with HDFC Bank and Life Insurance Corporation of India taking the maximum hit in line with weak equities

Last week, the BSE benchmark tanked 1,213.68 points or 1.64 per cent. The market valuation of HDFC Bank slumped Rs 60,678.26 crore to Rs 10,93,026.58 crore.

LIC's valuation tanked Rs 43,168.1 crore to Rs 5,76,049.17 crore.Reliance Industries faced an erosion of Rs 36,094.96 crore to Rs 19,04,643.44 crore from its market valuation. The market capitalisation (mcap) of ICICI Bank declined by Rs 17,567.94 crore to Rs 7,84,833.83 crore, and that of State Bank of India went lower by Rs 11,780.49 crore to Rs 7,30,345.62 crore.ITC's valuation dipped by Rs 3,807.84 crore to Rs 5,40,838.13 crore. However, the mcap of Hindustan Unilever climbed Rs 33,270.22 crore to Rs 5,53,822.16 20,442.2 crore, taking its valuation to Rs 14,09,552.63

The mcap of Bharti Airtel rallied by Rs 14,653.98 crore to Rs 7,38,424.68 crore, and that of Infosys went up by Rs 3,611.26 crore to Rs 5,91,560.88 crore.

Reliance Industries remained the most valued firm, followed by TCS, HDFC Bank, ICICI Bank, Bharti Airtel, State Bank of India, Infosys, LIC, Hindustan

US rate cuts: Cooling core inflation will offer minimal relief to Fed

NEW DELHI. Underlying US inflation probably moderated in April for the first time in six months, offering a ray of hope that price pressures will start to ease again after a string of upside surprises. Click here to follow our WhatsApp channelhe core consumer price index, which excludes food and fuel, is seen rising 0.3 per cent from a month earlier after 0.4 per cent advances throughout the first quarter. The Bureau of Labor Statistics will issue its CPI report on Wednesday.ompared with April 2023, the core CPI is projected to rise 3.6 per cent. While that annual increase would be the smallest in three years, it's still running too fast to placate Federal Reserve policymakers, who want evidence inflation is slowing consistently as they debate the timing of interest-rate cuts. ChartThe overall CPI probably climbed 0.4 per cent for a third straight month as gasoline prices reached a six-month high. While core goods prices have largely been retreating, underlying services costs remain elevated and explain why inflation proved stubborn in the first quarter.gin inflation down toward its 2 per cent goal rests with the resilient American consumer. Retail sales in February and March advanced solidly, although economists' projections for April suggest households took a breather. Those figures are also due on

On Tuesday, economists will parse the government's report on producer prices to assess the impact of categories such as health care and portfolio management that feed into the Fed's preferred inflation gauge — the personal consumption expenditures price index. Other reports in the coming week include housing starts and industrial production for April.

Fed Chair Jerome Powell is scheduled to speak Tuesday at a foreign bankers event in Amsterdam. Regional Fed presidents Loretta Mester of Cleveland and Raphael Bostic of Atlanta — who both vote on policy this year — are also slated to speak.

Microsoft-backed cloud platform 'will bully Indians to agree with it': Ola CEO

BENGALURU. Ola founder and CEO Bhavish Aggarwal said that the company will move its workloads to its own cloud platform, Krutrim, as it plans to exit Microsoft's Azure within a week.

Ola has been a customer of Microsoft since

Since LinkedIn is owned by Microsoft and Ola is a significant customer of Azure, we've decided to move our entire workload out of Azure to our own @Krutrim cloud within the next week. It is a challenge, as all developers know, but my team is very excited about undertaking this. Any other developer who wants to move out of Azure, we will offer a full year of free cloud usage, as long as you don't return to Azure after that!" he wrote on X and in a blog post on

Krutrim, the AI unicorn founded by Aggarwal, has also opened up its cloud platform to enterprises, researchers, and developers for access to AI computing infrastructure, Krutrim's foundational models, and open-source models hosted on its platform. In January, Krutrim raised \$50 million in a funding round led by Matrix Partners India. Aggarwal said the funding was at a valuation of over \$1 billion. This makes it perhaps India's first unicorn in the pure AI space.

Aggarwal's decision to leave Azure was triggered by a recent post on LinkedIn, where he criticized the use of the pronoun 'they' as an

"illness." LinkedIn removed the post for violating its professional community policies. Aggarwal expressed his belief that the pronoun issue represents a "woke political ideology of entitlement" that does not belong in India. "I wouldn't have entered this debate, but LinkedIn has assumed that Indians need to adopt pronouns in our lives, and that we can't



criticize it. They will bully us into agreeing with them or cancel us. And if they can do this to me, I'm sure the average user stands no chance. As a founder and CEO, this western DEI (diversity, equity, and inclusion) system significantly impacts my business as it fosters an entitlement mindset in our professional lives, and I will fight it," he

Aggarwal emphasized the importance of Indian tech platforms, expressing his concern that his life would be governed by western Big Tech monopolies, leading to cultural subsumption. He clarified that his stance is not against global tech companies, but rather against the imposition of forced ideology as a free-thinking Indian.

To address this concern, Ola plans to collaborate with the Indian developer community

to create a social media framework based on ONDC and UPI. "The only 'community guidelines' should be Indian law. No corporate entity should be able to decide what will be banned. Data should be owned by the creators instead of being owned by corporations who profit from our data and then lecture us on 'community guidelines,'" he wrote on X.

Govt to give focused attention to promote India's textiles exports: Textiles secretary from securities markets

New Delhi. The government will accord focused attention to promote India's second year in a row in 2023-24, Textiles Secretary Rachna Shah

said.Govt to give focused attention to promote India's textiles exports: Textiles secretaryGovt to give focused attention to promote India's textiles exports: Textiles secretaryhe government has set an ambitious target to achieve USD 100 billion export for textile products by 2030.

The cumulative exports of textiles and apparel from India during April 2023-March 2024 registered a degrowth of 3.24 per cent at USD 34.4 billion, as compared to USD 35.5 billion in April 2022-March 2023.In 2021-22, outward shipments of textiles and apparel were recorded at over USD 41 billion."We had challenges like the Red Sea crisis making it slightly more challenging,"

Shah said on the decline in India's textiles exports in 2023-24.

textiles exports, which declined for the Although geo-plitical challenges remain, the textiles secretary said some exporters have reported



improvement in their order books in the first quarter and the shipments are likely to improve in the coming months.

We will be looking at more focused attention on products which have greater export potential and the production linked incentive scheme is focused on those globally traded products," the textiles secretary told being looked at to promote exports from the sector, including "possibly looking at newer markets"

ne said the free trade agreements, which India has entered into with other nations "hopefully will open up more opportunities" for the textiles exports. Sharing the outlook for outward shipments from the textiles sector, Shah said: "We should look at higher exports happening now. The global demand also will start looking better. Already in the first quarter we have seen some of our exporters have reported that the order positions for apparel, made-ups etc, is looking up so that should play out".India has been losing ground in global garments trade to countries like Bangladesh and Vietnam due to their lower labour

costs, larger operation footprints, and

benefits from free trade agreements.

Sebi bans Varanium Cloud, its promoter till further noticea

PTI.Shah also outlined other measures **NEW DELHI.**Sebi has prohibited Varanium Cloud, its promoter and managing director Harshwardhan Hanmant Sabale from the securities market till further orders for misutilising the IPO proceeds and manipulating the company's financial statements by recording fictitious sales and purchases. Also, the regulator restrained Sabale from acting as a director or key managerial personnel of any listed company, any Sebi-registered intermediary or any company which intends to raise money from the public, until further orders. In its interim order passed on Friday, Sebi said, "The genesis of the prima facie violations observed in the matter has its roots in the SME IPO of Varanium, which continued through the bonus issue and stock split followed by the rights issue."It has prima facie emerged that the money raised through the IPO and subsequent rights issue was not used for the intended purpose mentioned in the offer documents. Instead, the promoter shifted part of IPO funds to an entity, BM Traders, and the end use of such funds is not known. In addition, Sabale spunned an intricate web of dubious transactions and tried to paint a picture that did not represent the fundamentals of the company. Further, Sebi noted that the company made public

announcements meant to give an impression to the investors that Varanium was a top-notch IT service provider that was entering greenfield areas.In its effort to present such a picture, Varanium and its promoter entered into transactions that appeared only on paper and nothing was happening on ground as claimed by the company. In the entire sequence of events and the narrative built by the promoter (Sabale) through public announcements, a positive sentiment was created which induced a large number of retail investors into purchasing the stock. This presented an opportunity to the promoter entities to exit the company and reduce their stake significantly at the cost of gullible investors. The gains made by Sabale clearly showed the intent and purpos behind such public announcements."Retail investors need to exercise certain level of due diligence while investing in SME companies and not be swayed by seemingly attractive returns that may quickly come their way," Sebi's whole time member Ashwani Bhatia said in the order.By indulging in these activities, Sebi found Varanium and Harshawardhan Hanmant Sabale, has violated the provisions of the Prohibition of Fraudulent and Unfair Trade Practices (PFUTP).

Inflation data, Q4 earnings, trends to drive markets this week: Analysts

NEW DELHI. Stock markets will be driven by domestic inflation data, ongoing quarterly earnings from nd global trends this week analysts said. News flows around the general election would also be tracked by investors, market experts said.Besides, investors would also take cues from the trading activity of foreign investors, the movement of global oil benchmark Brent crude and the rupee-dollar trend.

Investors will be bombarded with economic data on both domestic and global fronts. Domestically, watch for Consumer Price Index (CPI) and Wholesale Price Index (WPI). Globally, focus will be on the US Producer Price Index (PPI) and Consumer Price Index (CPI) figures.

"Additionally, Federal Reserve Chair Jerome Powell's speech will be a key



event to watch. China's industrial production data and Japan's GDP figures round out the important releases for the week," said Santosh Meena, Head of Research, Swastika

Investmart Ltd. Vinod Nair, Head of Research at Geojit Financial Services, said that the current trend in the domestic markets is likely to continue in the short-term due to

election-led uncertainties.

"In the data-hectic week ahead, investors' attention will be focused on the release of India and US CPI data, Europe and Japan's GDP releases, and the FED chair speech. Furthermore, the next set of Q4 results will also attract market sentiment," he added.

DLF, Zomato, Bharti Airtel and Mahindra & Mahindra are among the major companies scheduled to announce their earnings during the

'The outlook for the market will be guided by major global and domestic economic data, India's WPI inflation data, US PPI data, Core CPI data, initial jobless claims, Japan's GDP data, India Q4 company results and speech by Fed Chairman Jerome Powell," Arvinder Singh Nanda, Senior Vice President, Master Capital Services Ltd, said."Overall, we expect.

How to handle populists: a CEO's survival guide

NEW DELHI. THIS YEAR Western The CEOs find little comfort closer to bosses must work their way through a lengthy list of obsequious phone calls. Around 80 countries, home to some 4bn people, are holding elections in 2024. Some chief executives may already have drafted their compliments for Narendra Modi, who is near-certain to keep his job as prime minister of India, where citizens are now casting ballots in a weeks-long poll. After Mexico's election in June corporate leaders expect to be congratulating Claudia Sheinbaum, the anointed successor of the incumbent, Andrés Manuel López Obrador.

Western firms working to reduce their reliance on China have turned to India and Mexico. But neither electoral prospect fills them with unadulterated delight. Mr Modi has made his country an easier place to do business, by simplifying its tax system and investing in infrastructure, among other things. But he has also raised tariffs on goods like cars and increased domestic firms' tax advantage over foreign ones. Mr López Obrador has been nationalising the assets of Western firms in industries from construction materials to energy and let criminal gangs run rampant. Indonesia, another market that has caught the eye of Western bosses, elected a populist of its own, Prabowo Subianto, in February.

home. Few relish the prospect of Donald Trump, a self-described "Tariff Man", triumphing in November, even with his talk of slashing red tape. They also feel ambivalent about President Joe Biden, who talks of raising corporate taxes and blames greedy businesses for stubborn inflation. In Britain, the ruling

Conservatives scorn companies' pleas to keep trade with the EU flowing. Yet many corporate grandees are sceptical that Labour will champion their interests if, as expected, the left-of-centre party sails into government later this year. Nationalist parties dubious of free trade are predicted to expand their foothold in the European Parliament after elections in June. One such outfit is on track to win Austria's upcoming national poll.

The long-term trend is clear. The Economist, using data from the Manifesto Project, a research group, examined the ratio of favourable to unfavourable discussions of free enterprise in the manifestos of political parties in 35 Western countries from 1975 to 2021, the most recent year available (see chart 1). We used a five-year-moving average and excluded parties that won less than 5% of the vote. In the 1990s

deregulation, privatisation, unfettered trade and other policies that bring joy to the hearts of businessmen were praised almost twice as often as they were criticised. Now politicians are more likely to trash these ideas than celebrate them. Any residual business-friendliness no longer stems from a belief that what is good for business is good for



citizens—and so, by extension, for their elected representatives' prospects. Instead, governments are asking not what they can do for business but what business can do for them. The West's corporate titans are thus learning to adapt to a world in which their success can turn on a government's whim. The outlines of a playbook are taking shape.Knowledge is the starting point. Bosses are turning to specialist consultancies like Dentons Global Advisors (DGA), McLarty

Associates and Macro Advisory Partners (MAP) that promise to demystify politics at home and abroad. Consulting giants like McKinsey and investment banks like Lazard and Rothschild & Co offer similar counsel. These consiglieri, often former government insiders, help companies understand the political calculations and constraints that shape government policy.

That allows bosses to know which political curveballs to worry about most. Consider what may come of America's coin-toss presidential election. Corporate chiefs can be confident that hostility towards China will persist regardless of who wins in November. Mr Biden, fearful of appearing soft on America's economic rival, has turned steadily more hawkish. In April he called for tariffs on Chinese

steel and aluminium to be tripled, from 7.5%, and announced an investigation into subsidised Chinese shipbuilders. On April 24th he signed a bill that, among other things, will ban TikTok in America unless its Chinese owner sells the hit video app to non-Chinese interests. Although Mr Trump may seek to decouple the American and Chinese economies more quickly than Mr Biden, the direction of travel looks similar.

"Need To Develop High Quality Capabilities So That India...": S Jaishankar

New Delhi: In the last few decades, the global order has witnessed a "re-balancing" that is shaping its new directions, External Affairs Minister S Jaishankar said on Saturday. Addressing a gathering here at the launch of the Arbitration Bar of India, Mr Jaishankar also said the requirement to harmonise, mediate and settle differences and disputes will be even more "as we progress on that journey towards Viksit Bharat". This is a "very significant step" in the emergence of India as an arbitration venue, he said.

"I know that all of you appreciate its significance more than I do. But let me, as a foreign minister, today really place it in a larger context and a context that I will borrow again from the AG's (attorney general's) reference to a triangle, a Greek triangle. The triangle I use here is really one of law, business and diplomacy," he added.In his address, Mr Jaishankar said, "In the last few decades, the global order has witnessed a rebalancing that is shaping its new directions."

institutions and activities. As economic capabilities emerge or, in our case, re-emerge, it is natural that many of its accompanying dimensions also spread out much more in the world. In that sense, the event for which we have come is reflective of a larger redistribution of power, of influence and of capabilities in the world," e external affairs minister said. Obviously, this does not happen by itself and it requires both the vision of a leadership as well as the commitment of the stakeholders to make it happen. And that is actually what is being witnesd in the country today, Mr Jaishankar said.India is currently the fifth-largest economy in terms of GDP and likely to become the third largest soon. It is only to be expected that a domain as crucial as arbitration to the international economy should also find adequate expression here, the minister added. Not just that, like in other spheres, "we need to develop high-quality capabilities so that India too stands out in a competitive world", he said.

"One facet of that is the democratisation of Mr Jaishankar later shared some photographs

of the launch event on X."Glad to participate at the launch of the Arbitration Bar of India. 'Arbitrate in India!' should be a natural accompaniment of @makeinindia as our economy grows and the nation globalises. The Modi government recognises the importance of high quality arbitration as it improves ease of doing business. #TeamMEA is doing its part," he said.

In his post on the microblogging platform, Mr Jaishankar said he is "confident that today's inauguration is one among the legal community's many contributions towards a Viksit

Bharat". Earlier, in his address, the external affairs minister said in a world where time is of essence and certainty is of paramount importance, arbitration is recognised as the "cornerstone of modern dispute resolution". This is particularly relevant to recognise in

India at a time of rapid economic growth taking place in a globalised environment, he



said."If we are to get full mileage from our 3D dividend of democracy, demographics and demand, then high-quality arbitration is a notable factor in further attracting foreign direct investment (FDI)," the minister added. He concluded that India is poised to make crucial decisions about its future. There is a foundation of a decade of transformation on which "we are seeking to build a pathway for

the next 25 years", he said. "Our goal is Viksit Bharat, that is developed India. This will not only have an economic matrix but an all-round development that would include quality of life, ease of doing business, deep national strengths, technological capabilities, a larger role in the international economy, but not least, the institutions, the infrastructure and the talent that would actually define Viksit Bharat," Jaishankar said.

It will certainly be a nation that will see more intensive and consequential economic activities at home and abroad. The requirement to harmonise,

mediate and settle differences and disputes will be even more as we progress on that journey towards Viksit Bharat," the minister added."The legal world will also make its expected contribution to the evolution of Viksit Bharat. I believe that the inauguration of the Arbitration Bar of India is one noteworthy step in that direction," he said.

Kerala man misbehaves with crew, threatens to jump off Air India Express flight

New Delhi:A man from Kerala was arrested for misbehaving with crew on an Air India Express flight between Dubai and Mangaluru. The man even threatened to jump from the aircraft. Siddartha Das, the security coordinator for Air India Express, lodged a complaint against the passenger, after which he was caught by the airport security once the flight landed at Mangaluru. He was later handed over to the police.

The individual in question, identified as Muhammad BC from Kannur, Kerala, was travelling on an Air India Express flight from Dubai to Mangaluru on May 8. He allegedly behaved in an unruly manner, creating disturbances during the flight, causing inconvenience to both the crew and fellow passengers. His actions endangered others as he made threats of jumping into the sea from the aircraft," a senior police official said.

This is Foreign Minister Zameer's first official visit to India since assuming office," it said.

'He was apprehended by the airport security once the flight landed in Mangaluru and was handed over to the Bajpe police station, along with a formal complaint for necessary legal action. Subsequently, a case was registered, and he was arrested," the official

Groom Fled Before Wedding": BJP On Congress' Indore Pick **Dropping Out**

Indore: Taking a dig at the Congress over its Indore Lok Sabha seat candidate withdrawing from the fray at the last moment, Madhya Pradesh Chief Minister Mohan Yadav has said it was not his party's fault if the "bridegroom fled before the wedding".

The Congress received a jolt in Indore after its candidate Akshay Kanti Bam withdrew his nomination on April 29, the last date of withdrawal, and later joined the Bharatiya Janata Party (BJP).

The Congress claimed that the BJP did something wrong in Indore. What was our fault? It is like inviting the entire village to the wedding feast and the groom running away before the marriage ceremony," Yadav said at the BJP's campaign rally at Betma near here on Saturday. The opposition party, which has no candidate left in the fray for the May 13 election in Indore, is insulting democracy by appealing to local voters to press the NOTA (None Of The Above) button, the chief minister said."If someone's child runs away from home, whose fault is it? They are your children, you should take care of them," he said. Yadav also participated in a roadshow in Indore city in support of BJP candidate and sitting MP Shankar Lalwani.Terming the opposition INDIA bloc as "Ghamandiya" alliance, Yadav evoked the epic Ramayana and the city of Lanka, the capital of its arch-

These arrogant people were born in Lanka 17 lakh years ago during the time of Lord Ram. Due to the bankruptcy of their intellect, they posed as fake saffron-clad (monks) to abduct Sita," the chief minister said during the roadshow. Calling upon the voters to reject the Congress' appeal to opt for NOTA, he said, "Mother Sita made the mistake of crossing the 'Lakshman Rekha,' but the people of Indore should resolve that they will not cross the Lakshman Rekha under any circumstances.

Taking a swipe at state Congress president Jitu Patwari, who hails from Indore, Yadav said after suffering defeat at the hands of BJP candidate Madhu Verma in Rau seat in the district in the last year's assembly elections, Patwari was scared of contesting the Lok Sabha election. On the other hand, even some 80-yearold Congress leaders were contesting the election, he added.

Referring to Congress leaving the Khajuraho Lok Sabha constituency to the Samajwadi Party as part of a seatsharing agreement, Yadav claimed that it showed the Congress was afraid of elections.

Delhi Student Kills Self In Bhubaneswar, Father Says She Was Sexually Abused

New Delhi: Three weeks after his daughter, a student of the National Institute of Fashion Technology died by suicide in Bhubaneswar, a Delhi

man is still searching for answers. The distraught father has alleged the 22year-old had said in her suicide note that she was drugged and sexually harassed at a party.

The 4th-year NIFT student (names withheld) was found dead at her rented accommodation in Bhubaneswar, which she shared with some other students of the college. She was found hanging from a ceiling fan by her

neighbour, a fellow NIFT student, and her mother, who broke down the door after she did not respond when they rang the doorbell or called her on her phone repeatedly. The student's father has said the police registered a case of abetment to suicide only on May 4, after he flew down to Bhubaneswar. He has also filed a complaint with the



National Human Rights Commission. daughter had said she was drugged and sexually harassed at a party by a man, which had made her turn to drugs and alcohol to cope with the traumatic

incident. She had also written that she felt out of place in the fashion world and was unable to deal with the pressure.Her flatmates said they did

not know about any such incident but said she had been under stress, which they had chalked up to the anxiety of getting placements.

The institute's authorities refused to comment, but sources said a committee has been formed to probe the reasons behind her death."NIFT allows no parties inside the campus in which alcohol is served. We don't know what happened outside the campus," said a source.

He alleged that, in her suicide note, his I cannot bring back my daughter, but I want to ensure that she gets justice. I want to make sure nothing like this ever happens to any student studying

BJP Afraid To Declare Odisha Chief Minister Candidate Because...": VK Pandian

Bhubaneswar: Senior BJD leader VK Pandian on Saturday challenged the BJP to declare its CM candidate for Odisha and claimed that the party would get less than 10 per cent votes if it names any of its current state leaders.

Campaigning in the Sundergarh Lok Sabha seat, Mr Pandian said BJP has been "day-dreaming" about forming government in Odisha since 2014."When elections come many leaders come as election tourists, and then they are not seen for five years," he said. It's a very old habit of BJP leaders of Odisha to daydream about forming government as Naveen Patnaik has said. They have been daydreaming since 2014," he added.Mr Pandian claimed the BJP was unable to declare its CM candidate because it knows the day it will announce, its vote share will go below 10 per cent.

'PM Modi is claiming that the BJP chief minister will take oath on June 10. The people of Odisha have the right to know who is the BJP's CM candidate. Let the people decide between Naveen Patnaik and the BJP candidate. The BJP is afraid to declare its CM candidate because they know that if



Delhi Doctor Tortured, Hit On Head, Then Strangled With Leash, Say Police

elderly physician in southeast Delhi's Jangpura area has revealed that he was brutally tortured and hit on the head with a blunt object before being strangulated with a leash, officials said on Saturday.

Yogesh Chandra Paul, a 63-year-old physician, was found dead in his home in Jangpura Extention on Friday. Mr Paul's body was found with his hands tied, they said. The police accessed footage from a CCTV camera near Mr Paul's house that showed four suspects.

A police officer aware of the investigation said one suspect stood outside while the other three entered the house. The accused beat up Mr Paul, gagged him and tied him to a chair. They dragged the chair with Paul tied to it to the kitchen where they hit him on the head with a blunt object and

New Delhi: The Delhi Police's strangled him with a dog leash, the officer said. investigation into the murder of an officer said. The accused had locked Mr Mr Paul lived with his wife Neena Paul, a



Paul's two dogs in the bathroom. They then ransacked the house before fleeing. The police have registered a case of murder and robbery and are investigating it from various angles."We have not ruled out the possibility of some insider or someone known to Paul being involved," the

doctor at a Delhi government

hospital. She was at work when her husband was murderedOne of their daughters lives in Canada while the other lives in Noida. Both are married. The matter came to light after Neena Paul returned home, the police said. Neighbours said Mr Paul was a popular doctor in the area as he ran a clinic from his house. He used to treat the poor without charge and even gave them medicines for free.Deputy Commissioner of

Police (Southeast) Rajesh Deo said they have strong leads and the investigation is at a crucial stage. Raids are being conducted at various locations to nab the accused.On Saturday, Paul's neighbours held a candle march in the locality. Some residents alleged poor police patrolling

they choose any one of the current leaders, they will get less than 10 per cent votes," he said."I challenge the BJP to declare its CM candidate," he

In an indirect reference to Mr Pandian's earlier assertion that he is the natural successor to all great values of CM Patnaik, PM Modi told an election rally, "I am here to invite you to the swearing-in ceremony of the BJP chief minister in Bhubaneswar on June 10. A son or daughter of the soil who understands the state's culture, language and tradition will be made the CM.

Mr Pandian said the BJP is claiming that it will make Odisha the top state in the country, "but is Gujarat the number one state?" "Malnutrition among children in Gujarat is 40 per cent. Anaemia among children in Gujarat is 79 per cent. Per capita debt burden of Gujarat is close to ? 60,000," he claimed. Claiming that CM Patnaik never forgets his promises, Mr Pandian said that the BJD manifesto will be converted into a policy document after the

Congress Betrayed Me...' Disqualified Nominee From Surat Breaks Silence After 20 Days

Kumbhani claimed that the Congress had betrayed him first in 2017, but he was silent earlier as he respects the party's state president.

New Delhi: Suspended Congress leader Nilesh Kumbhani reappeared after 20 days of going incommunicado as his nomination for the Surat Lok Sabha seat was rejected due to discrepancies leading to a BJP candidate winning unopposed from the constituency. Kumbhani claimed that the grand old party had betrayed him first in 2017, according to PTI. The Surat respects the party's state president, Shaktisinh Gohil, and the party's Rajkot Lok Sabha candidate, Paresh Dhanani.

Talking with the reporters, Kumbhani said, "Leaders in Congress are calling me a traitor. But when my ticket for the Kamrej Assembly seat in Surat was abruptly cancelled during the 2017 assembly elections, it was the Congress which betrayed me first, not me." He added that he did not want to do this, but the party's five self-proclaimed leaders in Surat were angry because they neither allowed others to work nor did they themselves do anything. This upset my followers, office workers, and employees. "These leaders expressed disapproval

when I used to campaign with AAP leaders here, even though AAP and Congress are members of the INDIA alliance," Kumbhani asserted.

leader said he was silent earlier as he When asked if the sudden shift in Lok Sabha elections was supposed to be revenge on the Congress party, Kumbhani refrained from giving a giving a direct reply.



Earlier, he had held the office of Congress corporator in the Surat Municipal Corporation. In 2022, he fought the assembly polls in Kamrej but lost to a BJP candidate. On April 21, Kumbhani faced

rejection of his nomination form when his three proposers stated to the district returning officer that they had not signed the document. After which, the

> replacement candidate for Congress, Suresh Padsala, also had his nomination form rejected, effectively removing the party from the Lok Sabha competition.

On April 22, Mukesh Dalal of the BJP was declared the winner in Surat, unopposed, as all other contenders, including one from the BSP, withdrew their nominations. AAP had previous arrangements with the Congress, so they opted out too. Kumbhani had been unreachable since April 22. The Congress suspended him, holding him responsible for the rejection of the nomination

form and alleging his involvement in collaboration with the BJP.

The Lok Sabha elections in Gujarat were conducted in one phase on May 7.

NEWS BOX

Huge protests in POK over taxes, inflation turn violent as cops crack down



World. Protests against heavy taxation, high inflation and electricity shortages turned violent as police cracked down on demonstrators in Pakistan-Occupied Kashmir's capital, Muzaffarabad. Clashes broke out between law enforcement and protesters in Dadyal, Mirpur, and other parts of POK, including Samahni, Sehansa, Rawalakot, Khuiratta, Tattapani, and Hattian Bala. The shutter-down and wheel-jam strike in Muzaffarabad called by the Jammu and Kashmir Joint Awami Action Committee (JKJAAC), also saw police resort to teargas shelling and firing bullets in the air. The Awami Action Committee called for the protest, demanding tax-free electricity from the Mangla Dam and subsidies on wheat flour. The strike was catalysed by overnight police raids resulting in the arrests of numerous leaders and activists.

The committee had previously announced plans for a long march towards Muzaffarabad on May 11. The administration had tried to crush the planned protests by deploying additional troops from the Pakistan Rangers and Frontier Corps and with the arrest of the activists.

Pakistanis have been reeling under back-breaking inflation, worsened by the stringent conditions imposed by the International Monetary Fund while approving a \$3-billion financial assistance package. The increase in electricity charges added to the problems, and people in Pakistan have been forced to take to the streets.

Switzerland wins Eurovision Song Contest amid Gaza protests

Malmo (sweden). Switzerland on Saturday won the Eurovision Song Contest 2024 in Swedish host city Malmo, beating runner-up Croatia, after having been among bookmakers' top-three to win the competition.

Billed as a feel-good celebration of European diversity, this year's contest has been thrust into the political spotlight with calls for Israel to be excluded over its military campaign in Gaza, triggered by Hamas' deadly attack on Oct. 7 in Israel.

Swiss rapper and singer Nemo, 24, won the contest with "The Code", a drum-and-bass, opera, rap and rock song, about Nemo's journey of self-discovery as a non-binary person. "I hope this contest can live up to its promise and continue to stand for peace and dignity for every person in this world," Nemo said, after receiving the Eurovision trophy on stage.

"To know that a song that has changed my life and a song where I just speak about my story has touched so many people and maybe inspired other people to stay true to their story is the most insane thing that has ever happened to me," Nemo later said during a press conference. Nemo's Eurovision triumph was the third for Switzerland, and the first since Canadian star Celine Dion won singing for the Alpine country in 1988 with "Ne Partez Pas Sans Moi." Cheers of joy broke out in bars in central Zurich when the winner was announced, and Swiss revellers sang along as Nemo tore through a victory rendition of "The Code".

"I think it's just great, Nemo is fantastic," said Maha Nater, a 24-year-old kindergarten worker celebrating the win in the city after watching the marathon contest.

One karaoke bar began blasting out Queen's "We Are The Champions" as patrons joined in.Nemo's victory would blaze a trail for others who had had to cope with prejudice against non-binary people, said Nater.

"It sets an example to follow," she said. Croatia's Baby Lasagna, real name Marko Purisic, 28, came second with "Rim Tim Tagi Dim", a song about a young man who leaves home aspiring to become a "city boy" with better opportunities.

Japanese angst as India set to overtake as 4th largest economy

Tokyo. The announcement that in 2025 India will overtake Japan in nominal gross domestic product in dollar terms has shocked Tokyo, which had until 2010 been the undisputed second-largest economy in the world but is now on the brink of slipping to fifth place.

In estimates released in late April, the International Monetary Fund (IMF) indicated that India's nominal GDP will reach \$4.34 trillion (£4.03 trillion) in 2025, surpassing Japan's \$4.31 trillion. The timing of India's surge into fourth place in the world comes one year earlier than the IMF's last estimate, due in large part to the weakness of the Japanese yen. Japan's decline in the global economic standings follows the government's confirmation that the nation slipped behind Germany in 2023. The shock at India likely surpassing Japan next year is comparable to 2010, when a buoyant China replaced Japan as the world's second-largest economy.



"For Japan, this is a very big concern — but few people are talking about it openly because it is embarrassing and very difficult to solve," said Martin Schulz, chief policy economist for

Fujitsu's Global Market Intelligence Unit. Implementing 'Abenomics'

The problems the nation faced were recognized by Shinzo Abe when he became prime minister in 2012 and announced sweeping plans dubbed "Abenomics" to lift Japanese growth, Schulz said. And while two of the "three arrows" of the policy — monetary easing by the Bank of Japan and fiscal stimulus through government spending — enjoyed a good degree of success, the third arrow, of structural reforms, fell short. "The whole idea of Abenomics was to drive growth at businesses, but structural reforms were also needed to push productivity, but that is very hard to do in a country that is aging and where there is resistance to change, to digitalization and people who have been in positions for a long time simply prefer the old ways."

Donald Trump rules out former rival Nikki Haley as running mate

Republican presidential candidate Donald Trump said he was not considering former South Carolina governor Nikki Haley running for vice president in general election.

♣A number of

potential
candidates to run
for vice president
Doug Burgum,
Kristi Noem,
Marco Rubio, Tim
Scott in list

Washington. Donald Trump said on Saturday that former Republican presidential candidate Nikki Haley was not being considered to be his running mate in the November election, dismissing a report by news site Axios.

"Nikki Haley is not under consideration for the VP slot, but I wish her well!" Trump wrote on his social media platform Truth Social. Citing people familiar with the situation, Axios had reported that Trump could pick Haley if he were convinced she could help him win the presidency, avoid a potential prison sentence and cover tens of millions in legal bills if he loses.

Haley, the former South Carolina governor and a former US



ambassador to the United Nations, ended her long-shot challenge to Republican presidential frontrunner Trump in March. Comment was not immediately available from Haley. While she has acknowledged that Trump, who

repeatedly belittled her candidacy, would be the Republican nominee, Haley has not endorsed him.

There was already a long list of potential candidates for the vice president position that includes North Dakota Governor Doug

Burgum, South Dakota Governor Kristi Noem, US Senators Marco Rubio, Tim Scott and JD Vance, and US Representative Elise Stefanik.

Burgum and Scott competed against Trump for the 2024 Republican nomination before dropping out. Noem has been embroiled in controversy after revealing in a memoir that she once shot a 14-month-old dog for being disobedient.

Trump is in no hurry to pick a running mate, according to advisers. He will not be formally nominated until the Republican convention in Milwaukee, Wisconsin, in July. He will face President Joe Biden, a Democrat, in the November 5 general election.

21 Killed In Israeli Strikes In Central Gaza, UN Warns Of "Epic" Disaster

Gaza. Israeli strikes on Saturday hit parts of Gaza including Rafah where Israel expanded an evacuation order and the UN warned of an "epic" disaster if an outright invasion of the crowded city goes ahead.

AFP journalists, medics and witnesses reported strikes across the coastal territory, where the UN says humanitarian relief is blocked after Israeli troops defied international opposition and entered eastern Rafah this week, effectively shutting a key aid crossing and suspending traffic through another.

At least 21 people were killed during strikes in central Gaza and taken to Al-Aqsa Martyrs Hospital in Deir al-Balah city, a hospital statement said.

Bodies covered in white lay on the ground in a courtyard of the facility. A man in a baseball cap leaned over one body bag, clasping a dust-covered hand that protruded. The feet of another corpse poked from under a blanket bearing the picture of a large teddy bear.



In Rafah, witnesses reported intense air strikes near the crossing with Egypt, and AFP images showed smoke rising over the city. Other strikes occurred in north Gaza, witnesses said.

Hamas on Saturday accused Israel of "expanding the incursion into Rafah to include new areas in the centre and the west of the city".

Israeli troops on Tuesday seized and closed the Palestinian side of the Rafah crossing -- through which all fuel

passes into Gaza -- after ordering residents of eastern Rafah to evacuate

The army said Saturday troops were engaged in "operational activity" at the crossing, where they fought against "armed terrorists" and found "numerous underground tunnel shafts".

While mediation efforts towards a truce and hostage release appeared to stall, Hamas's armed wing said a hostage they had released a video of earlier on Saturday had died from wounds he suffered in an Israeli strike. The Ezzedine Al-Qassam Brigades said that Nadav Popplewell, a British-Israeli man, had been wounded in a strike a month ago and died "because he did not receive intensive medical care because the enemy has

destroyed the Gaza Strip's hospitals".

The Israeli military did not offer any comment on the earlier video and AFP was unable to independently verify its authenticity.

Name and shame: Pro-Israel

website ramps up attacks on

pro-Palestinian student

protesters

Washington. Weeks after attending a pro-Palestinian demonstration, Egyptian-American student Layla Sayed received a text message from a friend drawing her attention to a website dedicated to exposing people it says promote hatred of Jews and Israel. "I think they found you from the protest," the friend

wrote. When Sayed visited the site, called Canary Mission, she found a photo from the Oct. 16 rally at the University of Pennsylvania with red arrows pointing to her among the demonstrators. The post included her name, the two cities she lives in, details about her studies and links to her social media accounts. Canary Mission later posted a photo of her on its X and Instagram accounts labeled "Hamas War Crimes Apologist," a reference to the Palestinian militant group's Oct. 7 attack on Israel in which around 1,200 people were killed and 253 taken hostage, according to Israeli tallies. In response to that raid, Israel launched a military offensive in the Gaza Strip that has killed nearly 35,000 Palestinians, according to Gaza health authorities.

Comments about Sayed from social media users poured in. "No future for that c.nt," one X user wrote. "Candidate for deportation to Gaza," wrote another. Although Sayed has long supported Palestinian causes, she said it was the first time she had participated in a pro-Palestinian demonstration at Penn, and Canary Mission did not flag any other activities.

"My initial reaction was just absolute shock," Sayed, a 20-year-old sophomore, told Reuters. "I wasn't there to say I supported Hamas. I wasn't there to say I hated Israel. I was there to say what's happening in Palestine is wrong. "She said she did not realize at the time that a chant Canary Mission took issue with, "When people are occupied, resistance is justified," is considered by some as an expression of support for Hamas' killings. She joined in the chants, she said, to show support for demonstrations. Responding to an inquiry submitted via its website, Canary Mission said it has been "working around the clock" to combat a "wave of antisemitism" on college campuses since Oct. 7, including by exposing people who

Fourth Indian arrested in Canada for Hardeep Singh Nijjar's murder

The fourth person arrested in the case, Amandeep Singh, has been charged with first-degree murder and conspiracy of Nijjar's killing.

World. Canada has arrested a fourth person and charged him with the murder of Khalistani terrorist Hardeep Singh Nijjar, Canadian police said on Saturday.

The Integrated Homicide Investigation Team (IHIT) informed that they have arrested one Amandeep Singh and charged him with first-degree murder and conspiracy of Nijjar's killing.

22-year-old Amandeep Singh, an Indian national residing in Brampton, Surrey and Abbotsford, was already in custody in Ontario for unrelated firearms charges, said IHIT.

"This arrest shows the nature of our ongoing investigation to hold responsible those that played a role in the homicide of Hardeep Singh



Nijjar," said Mandeep Mooker, IHIT officer in-charge. Amandeep Singh is now the fourth person arrestd in the

case alongside Karan Brar (22), Kamalpreet Singh (22), Karanpreet Singh (28). The trio have been arrested under the same charges in connection to Nijjar's killing.

Nijjar was killed in a targeted shooting in Canada's Surrey outside a gurdwara. His name had been included in a list released by the Indian government with 40 other 'designated terrorists'.

Hardeep Singh Nijjar's killing, in which Canada sees an Indian role, has been a thorn in bilateral ties.

Indo-Canadian ties had nosedived after Canada's allegations of an Indian role in Nijjar's killings. India had earlier blamed Trudeau and his party of votebank politics for wooing Khalistanis.

Haitians demand the resignation and arrest of the country's police chief after a new gang attack

Port-au-prince. A growing number of civilians and police officers are demanding the dismissal and arrest of Haiti's police chief as heavily armed gangs launched a new attack in the capital of Port-au-Prince, seizing control of yet another police station early Saturday.

Armed men raided the coastal community of Gressier in the western tip of Port-au-Prince late Friday, injuring people, burning cars and attacking homes and other infrastructure as scores of people fled into the nearby mountains following a barrage of gunfire overnight.

It was not immediately known if anyone died.

Videos posted on social media showed people fleeing into the early dawn balancing bags and suitcases on their heads as men clad in sandals and carrying heavy weapons celebrated with gunfire.

The town is ours," said one man who filmed himself with others who were armed, noting they were in Gressier. "We have no limits." The attack comes roughly a week after gang attacks in central Portau-Prince forced more than 3,700 people



to flee their homes.

"The situation is critical and catastrophic," Garry Jean-Baptiste, a spokesman for the SPNH-17 police union, told The Associated Press. He called Frantz Elbé, director of Haiti's National Police, incapable and incompetent: "Monsieur Elbé has failed." Jean-Baptiste said the union wants a newly installed transitional presidential council to demand Elbé's resignation and order justice officials to launch an investigation into the crisis.

"Police continue to lose their premises and equipment and officers," he said, adding that at least 30 police stations and substations have been attacked and burned in recent months.

He also accused Elbé and other high-ranking officials of being complicit with gangs. Elbé did not immediately return a message for comment.

Jean-Baptiste said the officer who was stationed in Gressier "resisted for a while" but was unable to stave off the gang attack given a lack of staff and

resources."The police could not prevent the worst," he said. Jean-Baptiste said the attack was planned by gunmen who came from the neighboring communities of Village de Dieu, Martissant and Mariani.

Gressier is in an area controlled by Renel Destina. Best known as "Ti Lapli," he is a leader of the Grand Ravine gang and considered a key ally of Izo, another powerful gang leader, according to the UN The Grand Ravine gang has some 300 members and is accused of killings, kidnappings, rapes and other crimes.

Those fleeing Gressier now join more than

360,000 other Haitians who have been forced to abandon their homes as gangs raze communities in rival territories to control more land. Tens of thousands of Haitians have squeezed into squalid, makeshift shelters, including schools and government buildings abandoned due to gang violence.

Gunmen have burned police stations, opened fire on the main international airport that remains closed since March 4 and raided Haiti's two biggest prisons, freeing more than 4,000 inmates.

Veteran politician André Michel wrote on the social media platform X that the most recent attack targeting Gressier shows "Haiti will not be able to get out from under the gangs without an international force. ... We will not be able to secure the country ourselves."

A UN-backed deployment of Kenyan police officers to Haiti has been repeatedly delayed, although some believe the first officers might arrive in late May. Scores of US military planes have been landing at the shuttered airport in Port-au-Prince in recent weeks, carrying civilian contractors, life-saving supplies, building materials and heavy equipment ahead of the anticipated arrival of a multinational mission.

NEWS BOX

Don't 'needle' players like Virat Kohli, they just get better: Matthew Hayden

New Delhi. Matthew Hayden feels that people shouldn't be looking to 'needle' players like Virat Kohli as they would just get better. Kohli had coped a lot of criticism during the IPL 2024 season over his strike-rate. After initially biting back at the critics, Kohli decided to let his bat do the talking and reminded everyone of his class with his 47ball 92 against PBKS

Kohli has also shown improvement against spin, especially outside the powerplay overs. Hayden, while talking to Star Sports, said that there was always going to be strike-rate criticism directed at Kohli as he is a very conventional and technical player, who takes the game deep in all formats of the game."I understand from a fan's point of view that Virat Kohli has copped a bit of criticism around the strike-rate. It'll always be the case because, he's a very conventional cricketer. He's a very technical cricketer, which makes him a great across all three formats.'

Hayden feels that Kohli listened to the criticism and went about with his business of getting better in the middle phases against spin. The Aussie legend feels that this would serve well for India in the T20 World Cup as teams would have two or three spinners in their lineup."But one of the big concerns that we've all had is through the middle. And so, like all great champions, if there is something out there in the media or there's something where you can feel yourself to improve, then you get about making your business to do so. And I sense that that's exactly what's happened to Virat Kohli this season. You know, those middle phases being that 138 strike-rate against spin, that's critical for India because international sides they'll line up with spin. Every side will have two, sometimes three spinners as their resource, and they'll use it to slow down a Kohli who, inside that powerplay has got such a huge energy and momentum and creates great pressure on opposition," said Hayden.

KKR vs MI: Refreshing to see Venkatesh lyer attack Jasprit Bumrah, says Varun Aaron

Kolkata. Varun Aaron heaped praise on Venkatesh Iyer for taking the attack to Jasprit Bumrah during KKR's IPL 2024 match against MI on Saturday, May 11 at the iconic Eden Gardens in Kolkata. The lefthanded Iyer had a huge task in hand, especially after the Knight Riders lost the early wickets of Phil Salt and Sunil Narine. Instead of going into his shell, Iyer scored 42 runs off 21 balls with 6 fours and 2 sixes.It was in the fourth over when Iyer laid into Bumrah and injected momentum into the KKR innings with a 15-run over. Iyer collected a four through the third man region after which he smacked Bumrah for a six over mid-wicket. Iyer finished the over with another scorching boundary over the bowler's head.

It was refreshing to see a batter take the attack to Bumrah and not actually play him out, which was really nice because he took some risks," Aaron told ESPNcricinfo."He stepped down the wicket, made some room for himself, he just wasn't in that mindset, 'You know what, this is Bumrah, I am going to play him out'. Rather, he took the attack to him, which was great," Aaron added.Just when it seemed that Iyer would get a big score, Piyush Chawla cut short his stay. Iyer was KKR's standout batter as the 2-time champions scored 157 for 7 in a raincurtailed 16-over match.

CSK vs RR: Chennai prepares for 'true warrior' MS Dhoni's final home game in IPL 2024

New Delhi.CSK are set to play their final home game of the Indian Premier League 2024 season on Sunday, May 12. Ahead of the match, CSK have put up a heartfelt post for MS Dhoni, who has been playing through pain in the Indian Premier League. CSK confirmed that MS Dhoni is injured but has been fighting through the pain like a true leader. The match against RR could also turn out to be MS Dhoni's final game at home if CSK do not manage t qualify for the playoffs this season. Reports have been flying in the Indian media that MS Dhoni has been playing with a muscle tear. Dhoni has been seen limping on several occasions in the ongoing season and it has been speculated that the injury is of a similar nature to last year's. Dhoni limped for the majority of the 2023 season of the tournament and had to get knee surgery done to facilitate his return in 2024."Despite his old age. Despite the pain. Despite the reduced strength. A hero never stops wielding his sword!" CSK tweeted ahead of their home game. Dhoni has looked vintage in the 2024 edition of the tournament, maximising his presence in the final two overs of the game. After giving up his captaincy right ahead of the season, CSK have found a pure wicketkeeper-batter in MS Dhoni, who has not only been brilliant behind the stumps but has also been in brilliant form with the bat. Dhoni has scored 136 runs at a strike rate of 226.67 in his 12 appearances so far. Earlier this season, RR opener Jos Buttler had shown his admiration to Dhoni and said that for many around the world, their favourite moment in the IPL is to see Dhoni bat and hit shots that only Dhoni can pull off. Crowd have come in numbers in all of CSK's away matches and have shown incredible support to the former CSK and India captain. Captains from other franchises have acknowledged Dhoni's pull even at the age of 42 and said that they feel like they are playing an away game whenever.

'Real deal' KKR deserved playoffs spot in IPL 2024: Mike Hesson

Mike Hesson has lauded KKR as the real deal after the Shreyas Iyer side secured their playoffs spot in the IPL 2024 season. KKR qualified after beating MI at home on 11 May.

Kolkata. Former RCB coach Mike Hesson has lauded KKR after the team qualified for the playoffs in the Indian Premier League. KKR became the first team this season to achieve qualification after they beat MI at the Eden Gardens on Saturday, 11 May. Speaking on Jio Cinema after the match, Hesson said that KKR thoroughly deserved the playoffs spot and were the real deal in the IPL.Hesson argued that KKR had KKR have secured the playoffs position and match-winners in every position of their playing XI, who could turn the fate of the



game on their day. Hesson said that KKR's biggest strength is that they bat really deep and have explosive hitters through the line-

thoroughly deserved it. I mean, their performance throughout this IPL has been

exceptional. They've got so many match winners, you know, in their batting lineup, they bat deep. Anyone on their given day can win the game," Mike Hesson said on Jio Cinema after KKR's win vs MI."We've seen how the openers and the top order do it, but they've got all that power at the back end as

well. Even Ramandeep, you know, he's an unsung hero. And these guys here, if there's anything in the wicket Narine and Chakravarthy will exploit it, and the young seamers as have been impressive as well. And Starc, you know, he hasn't been great, but on his day he can turn a game as well. So they are very much the real deal," Hesson further added on Jio Cinema.

IPL 2024: KKR vs MI

KKR became the first team to seal their place in the IPL 2024 Playoffs as they defeated MI at the Eden Gardens, Kolkata on May 11, Saturday. This is the first time KKR are making it to the playoffs since they made it to the final of the 2021 season. KKR made it 9 wins out of 12 matches as they extended their lead at the top of the IPL 2024 points table.KKR has been one of the early pacesetters this season along with RR as they have continued been the top two for most of the season. The arrival of Gautam Gambhir as mentor has certainly had the desired effect on the two-time champions, who had finished in 7th spot last season. Another win in their remaining two games will seal their spot in the top two and head to the qualifier 1 of the playoffs.

KKR can win IPL, Sunil Narine, Varun Chakravarthy changed the game: Piyush Chawla

Kolkata. KKR beat MI at the Eden Gardens on Saturday, 11 May to qualify for the playoffs in the Indian Premier League 2024. In a rain-curtailed game, KKR beat MI by 18 runs, owing to some superb bowling from Sunil Narine and Varun Chakravarthy. Chakravarthy was named player of the match for his spell of 2/17 in his four overs, which helped KKR restrict MI to just 139/8 in their chase of 158 runs. Speaking after the match, MI's Piyush Chawla credited both Varun and Narine for their incredible spells and said it was those 7 overs that derailed MI completely, despite starting well in the chase. MI were off to a flyer with Ishan Kishan finding range early in his innings, however, three quick wickets between the 7th and the 11th over halted their plans."We started off well, but the Sunil Narine spell and the Varun Chakravarthy spell made the difference in today's game," Piyush Chawla said in the



post-match press conference.

Chawla also felt that KKR have it in them to win the IPL 2024 due to the team's overall form in the tournament. Throughout the season, batters have found it difficult to deal with Sunil Narine and now Varun Chakravarthy has rediscovered his form as well in the business end of the tournament.

"The way that KKR spinners are bowling and the way that they are batting, they can win the tournament. But in playoffs, what matters is how you turn up on that particular day. You just need four overs to change the game in the IPL. They have momentum, all of their players are doing well," Chawla further added.

MI on the other hand are currently sitting 9th on the table and are at the risk of sinking further and finishing at the bottom position. Chawla spoke about MI's form and said that they never had any momentum going throughout the IPL 2024."T20 cricket is about momentum but (sadly) we didn't get that momentum right from the beginning," Chawla said.

Sometimes we bowl well and then we end up not batting that well. Likewise, sometimes we bat well and the bowling is not. So it's not just that we are lacking in one department. As a unit, we have failed in a few games. And we have to accept that fact as a team. Because at the end of the day, it's a

James Anderson: A purist that made us fall in love with Tests, again and again

New Delhi.It was scary! Although reality would dictate that it's almost time, the mere thought that England, one day, would be without their enigmatic duo, Stuart Broad and James Anderson, sent shivers down the spine. Last year, Broad pulled the curtains down on his career during the Ashes. It was only a matter of time before Anderson bid goodbye to the purest format and the day eventually surfaced. For the ones born in the 90s, Anderson has been a big part of their upbringing, especially when it's about falling in love with the aesthetics of a phenomenon named Test cricket. Amidst the growth of T20s and T10s, inclined towards glamour, fame and money, the purist from England kept portraying the beauty of Tests with his blood and sweat.

From a skinny young boy with gold-shaded hair foraying into international cricket to retiring as a legend two decades later, Anderson gave the folklore of Test cricket a poetic touch. In a generation of spicy kebabs and Biriyani, he was soul-soothing lentils and rice, a source of joy and happiness. Watching Anderson swinging the cherry both ways was similar to running back home after a gut-wrenching day

The sound of Anderson rattling the stumps was as comforting as listening to Brian Adams, mesmerising a packed audience like magic with his voice modulation. Anderson was equivalent to a craving that was tough to control, an attraction that would keep drawing behold, a memory to cherish for a lifetime. There was not a dull moment when Anderson took the field. In an era where batters are ruling the roost, Anderson kept motivating bowlers to take up fast bowling with the dream of terrorising batters and scaling the heights.

For 21 long years, Anderson carried Test cricket on his own shoulders, and there was nothing that could detach him from his favourite sport.Jimmy has had his fair share of tussles with injury concerns in the last 36 months, but the talisman hasn't let them wear him down. Rather, he faced every challenge head-on and made sure he bowed out of the game on his own terms and with his head held high. Such was the aura and charisma of the man, who also has over 1100 wickets in first-class cricket.I'm going to miss walking out for

Anderson's statement read.

Nitish Rana opens up on 'sleepless' night ahead of comeback game against MI

New Delhi.KKR batter Nitish Rana revealed after ten great games. Hence, I slept at revealed that it's the belief that the players ahead of his IPL 2024 comeback against MI on Saturday, May 11 at Eden Gardens, Kolkata. Notably, the 30-year-old featured in the first game for his team against SRH before a finger injury ruled him out of the next ten matches. However, Rana made a valuable contribution from his bat on his comeback playing a crucial innings of 33 (23) after his team was left reeling at 40/3 after 4.1 overs. Speaking about his time away from the game, the Delhi-born cricketer revealed that he couldn't even touch the bat for the first 20-odd days and was visualising himself bating. However, a night before his comeback, he couldn't sleep due to anxiety and as he felt like playing his first IPL game.

"For the first 20-22 days I didn't even touch Rana stitched crucial partnerships with the bat due to injury. After that, I began batting with one hand and did whatever I could. When I was sitting alone, I would visualise my innings. To be honest, I couldn't sleep the whole night, it felt as if I was going to play the first game of the IPL because I was suddenly included in the team

around 8:30 am as I couldn't sleep all night due to anxiety. These are the things which keep that hunger inside of you alive," said



Rana in the post-match press conference. Venkatesh Iyer (42 off 21) and Andre Russell in the middle overs (33 off 23) to help KKR post 157/7 in the rain-curtailed 16-over game. The Shreyas Iyer-led side went on to win the match by 18 runs and became the first team to qualify for the playoffs.Further speaking ahead, Rana reason behind KKR's turnaround. He credited head coach Chandrakant Pandit and mentor Gautam Gambhir for building such

The difference is the belief we have this year: Rana

The difference this year as compared to the previous four or five years is according to me the belief that we have in each other. There's a trust in the dressing room where every player takes the onus on oneself if someone fails. The same set of bowlers let the opposition chase down 260 and we had the same attack today. So, it's the belief to instil confidence in each other is a lot more than previous years and it's all because of Chandu Sir (Chandrakant Pandit) and Gauti Bhaiya (Gautam Gambhir)," he added.Meanwhile, following their win against MI, KKR are comfortably sitting on the top of the points table with nine wins from 12 matches having 18 points to their

England so much.

But I know the time is right to step aside and let others realise their dreams just like I got to, because there is no greater feeling,"

Bowl slow, bowl wide: Rayudu analyses Suryakumar Yadav's weakness after KKR failure

New Delhi. Ambati Rayudu said that There is a plan in terms of bowling to Suryakumar Yadav finds it tough while facing slower balls outside the off stump.

On Saturday, the MI batter tried to manufacture a shot from outside the off-stump off Andre Russell but hit the ball straight down the throat of Ramandeep Singh. Yadav scored 11 runs off 14 balls as Mumbai lost to KKR by 18 runs at the iconic Eden Gardens in Kolkata. Analysing the MI batters' technique, Rayudu said that bowlers can trouble Suryakumar by bowling wide outside the off-stump and making him hit towards the longer boundary. The veteran said that the 33-year-old batter needs to up his game in terms of

playing balls outside the off-stump.

Suryakumar Yadav. You bowl slow and you bowl wide. We have seen that in the World



Cup as well. When the pitch is slow with a bigger boundary on one side, teams have a little bit," Rayudu told Star But once Sunil Narine dismissed a well-set Sports.Suryakumar has been in decent

form for MI, having scored 345 runs from 10 games at an average of 38.33 and a strike rate of 169.95. Despite missing the first 3 games, he is amongst the top rungetters for MI this season.

Lack of batsmanship cost MI'

Rayudu reckoned that MI were let down by their poor batting against KKR. After being asked to chase down a target of 158 in a truncated 16-over match, Mumbai got off to 65-run stand for the opening wicket between Rohit Sharma and Ishan

plan against him. He needs to work on that a Lack of Batsmanship cost MI: Rayudu

Kishan, the MI innings went downhill. In the end, all Mumbai could manage was 139 for 8. Rayudu also slammed their batters for poor shot selection, especially against spinners."Lack of ability to play the spinners cost them the game. There was a little bit of moisture in the game. The ball was holding up, but I think their shot selections were poor. Rohit Sharma is known for big sixes, playing straight, but today, he was trying to sweep and reverse sweep. It was the lack of batsmanship that cost them," Rayudu added.

a stupendous start courtesy of a MI will be playing for pride in heir last game this season when they face KL Rahul's LSG on Friday, May 17 at the Wankhede Stadium in Mumbai.

Shehnaaz

Is 'Redefining Beauty', Leaves
Fans Jaw-Dropped With Her
Blue Gown Look

hehnaaz Gill is not just known for her amazing acting or down-to-earth nature but also for her fashion choices. The actress never fails to impress all with her sartorial choices and often leaves everyone jaw-dropped. Recently too, Shehnaaz took to her Instagram handle and shared a series of pictures which are now setting fire online. In these latest clicks, Shehnaaz Gill was seen posing in an icy blue gown by the designer Hind Zeidan. Her gown featured blue sleeves and a thigh-high slit. Shehnaaz opted for minimal accessories to let her outfit take centre stage. She tied her hair into a bun and added glam to her look with her makeup –smoky eyeshadow, highlighter, blushed cheeks and nude lipstick. In the caption of her pictures, Shehnaaz wrote, "Redefining beauty, one fierce pose at a time." Check it out here:

Needless to say, the pictures have left Shehnaaz Gill's fans stunned. Soon after the post was shared, fans rushed to the comments section to shower love on their favourite actress. "Wow She is always my favourite," one of the fans wrote. "You are perfect,"



added another. "Stunning as always," a third comment read. Several others also called her "sexy". Shehnaaz Gill has been soaring on the wings of success. Following her appearance on Bigg Boss 13, she ventured into Bollywood with roles in Salman Khan's film Kisi Ka Bhai Kisi Ki Jaan and the comedy-drama Thank You For Coming. But her professional journey doesn't stop there. Recently, she explored her singing talent by lending her voice to the track Dil Kya Irada Tera from the Disney+Hotstar movie Patna Shuklla. Besides this, Shehnaaz Gill was recently also seen in the music video titled Dhup Lagdi.

Shehnaaz Gill is now gearing up for her next project titled Sab First Class along with Varun Sharma. Helmed by Balwinder Singh Janjua, the film will be an out-and-out family entertainer. Shehnaaz officially announced the film on her Instagram handle in January this year.



Priyanka Chopra

Drops A Happy Sunkissed Moment With Her 'Angels' Malti Marie And Nick Jonas

riyanka Chopra and Nick Jonas welcomed their daughter, Malti, in 2022. Since then, the duo have been seen as doting parents to the little munchkin and often share adorable glimpses of her. Having said that, the proud parents recently dropped another happy family photo, which instantly went viral. Priyanka shared the photo and wrote, "My angels... @maltimarie @nickjonas." In the photo, Priyanka was seen holding Malti with all her love and affection, while Nick stood next to her. The trio donned their brightest smiles, basking in the laps of nature. They surely dished out major family goals.

Apart from being doting parents to Malti, Nick and Priyanka are also each other's biggest cheerleaders. Time and again, the duo acknowledges each other's professional endeavours on social media. Earlier this week, Priyanka Chopra gave a huge shout-out to Nick as he started filming for his next project, Power Ballad. She has written an appreciation post. Taking to her Instagram handle, the actress shared a photo of Nick and wrote, "Husband appreciation post: As I finish one, he starts one. The universe keeps us in sync. So happy to be reunited as he starts filming Power Ballad.

Congratulations on your first day, baby. There is no one who works harder than you. This is going to be amazing. #johncarney #paulrudd @nickjonas @anthonymandler for Spaceman."

Priyanka Chopra recently announced that she has wrapped shooting for the highly anticipated film Heads Of State. The actress shared a happy video montage featuring her daughter Malti along with her crew and penned a heartwarming note expressing her love for the film. The action-comedy Heads of State also stars Idris Elba and John Cena.

Stars Idris Elba and John Cena.
The note read, "And it's a wrap. It's been a

year. Well, a lot happened but here we are. Tonight I wrapped on a set that was always so full of laughter and professionalism. That rare combination doesn't happen always.. This movie was a breeze because the cast and crew came prepared with their A game, everyday." She further added, "It's been an honour to work with some legends in our business on this one. Hope y'all have as much fun watching it as we did making it. Heads of state will be on @primevideo .. when you ask me? Above my pay grade. lol. Gratitude."Besides this, Priyanka Chopra also has a Bollywood film in her pipeline. She will soon be seen in Farhan Akhtar's Jee Lee Zara, with Alia Bhatt and Katrina Kaif in the lead. While fans are eagerly waiting for this collaboration, the film has been delayed due to reasons that aren't known.







lia Bhatt's mesmerising appearance at the Met Gala 2024 has the Internet **L**completely in a chokehold. The actress made India proud again as she represented its culture at the event in a timeless Sabyasachi couture saree with a matching train. It seems like Alia can't get enough of her look from the fashion extravaganza, and we are not even complaining. Her recent string of pictures and videos on her Instagram handle has fans drooling over her. Besides, Alia's sister-in-law Kareena Kapoor Khan also reviewed her look. Adhering to the dress code 'The Garden of Time', Alia was dressed in a hand-embroidered saree with floral motifs and sparkling detailing for the biggest night of fashion. Her traditional saree came with a dramatic long embroidered train. Offering a closer look at her ensemble and her appearance at the event, Alia seemingly promised a comeback to the green and white carpet as she wrote, "till we meet again #MetGala2024Upon the pictures being shared, the proud sister-in-law Kareena immediately reacted to the post. She wrote, "Alia The Bestest." Well, the list of her admirers in her family is a long one. The Rocky Aur Rani Kii Prem Kahaani actress' mother also showered her with compliments calling her "Ethereal and beautiful." Another family member, Saba Ali Khan, sister of Saif Ali Khan, was also quick enough to pour some love for the actress in the form of heart emojis.

Alia Bhatt continues to shine wherever she goes. Reports suggest that the Bollywood diva has become the 'most visible' celebrity at the Met Gala. With this achievement, she has surpassed several prominent globally popular names including Kendall Jenner, Kylie Jenner, Kim Kardashian, Gigi Hadid, and others.

When TV Actress Deepika Singh Had To Leave Her Friend's House At Night



eepika Singh is one of the most prominent television actors in the Hindi television industry. She became a household name following the success of her popular TV serial, Diya Aur Baati Hum. She received several accolades because of her terrific acting in that serial. Deepika, however, had to face many setbacks in the initial stages of her career. In an earlier interview with Pinkvilla, the 34-year-old actress narrated a horrific incident regarding her struggling days in Mumbai. She recalled one of her friends asking her to leave the house at midnight. Deepika has yet to forget that bitter experience. She reminisced many similar traumatising experiences like her father's massive financial losses, lack of funds in childhood, etc. Deepika, however, remained undeterred and is now one of the popular names in the television world. After remaining on a sabbatical from TV for a long time, she has made her comeback with the show Mangal Lakshmi. This show has started premiering on the channel Colors TV from February 27, 2024.

Speaking about being away from TV for a long time, Deepika told the Times of India, "I wanted to be associated with acting and it's not like I was completely away. I did Kawach, Titu Ambani, my film but at that point, I wasn't ready for a long-term commitment. I had mentioned it and maintained that. I did small roles like the film was just a one-month schedule." The Diya Aur Baati Hum actress, however, was not ready for long-time commitments. This is because she had taken up training for classical dance and wanted to concentrate on her exams. Now that she has received her certificate in dancing, she practices on her own for an hour every day and then goes for shoots.

Meanwhile, Deepika married Rohit Raj Goyal, the director of the serial Diya Aur Baati Hum, in a private wedding ceremony in 2014. On May 20, 2017, the couple embraced parenthood by welcoming a baby boy named Soham. In an earlier interview, Deepika credits Rohit for all her learnings about the industry. She said that the Diya Aur Baati Hum director has moulded her into an actress and she can trust him blindly.

